दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 29 मई 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :25 बजे

सूर्यास्त सांय 19 : 14 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 223 | गाजियाबाद, गुरुवार 29 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

राष्ट्रपति भवन में दो-दिवसीय साहित्य सम्मेलन में प्रमुख भारतीय हस्तियां शामिल होंगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। साहित्य अकादमी और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रपति भवन अपने सांस्कृतिक केंद्र में बृहस्पतिवार से दो-दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन करेगा। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह सम्मेलन 'साहित्य में कितना बदलाव आया है?' शीर्षक से आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 मई को संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा देश भर से आए साहित्यकारों की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। दो-दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। बयान में कहा गया कि सम्मेलन का समापन होलकर वंश की महान शासक देवी अहिल्याबाई होलकर की गाथा के साथ होगा।

थरूर को भाजपा का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए: उदित राज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस नेता उदित राज ने अपनी पार्टी के सांसद शशि थरूर के एक ताजा बयान को लेकर बुधवार को उन पर निशना साधा और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए। पाकिश्तान के साथ हालिया संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश गए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने पनामा में कहा कि हाल के वर्षों में जो बदलाव आया है वह यह है कि आतंकवादियों को भी एहसास हो गया है कि उन्हें अपने किए की कीमत चुकानी पड़ेगी।

नौ सेना को मिला नया बोलार्ड पुल टग पोत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय नौ सेना को टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (टीआरएसएल) से 25टी श्रेणी का एक नया बोलार्ड पुल (बीपी) टग पोत 'सबल' प्राप्त हो गया है। इस पोत का नौसेना में शुभारंभ मंगलवार को कोलकाता में आयोजित समारोह में किया गया। टीआरएसएल में आयोजित कार्यक्रम में कमोडोर एस श्रीकुमार मुख्य अतिथि थे। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार टीआरएसएल के साथ ऐसे छह टग पोत के निर्माण के लिये 12 नवंबर 2021 को एक समझौता किया गया था। टग पोत बड़े पोतों को बंदरगाह पर खींच कर लाने ले जाने के काम में इश्तेमाल किये जाते हैं।

दिल्ली में सैंकड़ों पेड़ों की अवैध कटाई, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई डीडीए को फटकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों को अदालत से अनुमति लिए बिना भौगोलिक रूप से संवेदनशील दिल्ली रिज क्षेत्र में अवैध रूप से सैंकड़ों पेड़ों की कटाई के मामले में जमकर फटकार लगाई। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने कहा कि डीडीए अधिकारियों का आचरण आपराधिक अवमानना के बराबर है। यह संस्थागत गलतियों और प्रशासनिक अतिक्रमण का क्लासिक मामला है।

न्यायालय ने न्यायपालिका से पेड़ों की कटाई को जानबूझकर और जानबूझकर छिपाने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, "एक राष्ट्र के रूप में जो कानून के शासन में निहित है, न्यायपालिका पर बहुत भरोसा किया जाता है ... जब जानबूझकर अवहेलना की जाती है, तो न्यायालय को सख्त रुख अपनाना चाहिए।"

पीठ ने कहा, "प्रतिवादियों का आचरण अवमाननापूर्ण रहा है। उनके कृत्य आपराधिक अवमानना के दायरे में आते हैं।" शीर्ष न्यायालय ने कहा कि जब मामला उसके पास पहुंचा तब तक पेड़ों की कटाई हो चुकी थी और इस जानबूझकर गैर-प्रकटीकरण ने न्यायिक प्रक्रिया के मूल पर प्रहार किया। अदालत ने भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए अनिवार्य किया कि वन के विकास, सड़क निर्माण या किसी भी पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील गतिविधि से संबंधित सभी अधिसूचनाओं या आदेशों में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही के लंबित होने का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।

2025-26 के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना को जारी रहेगी

देश के करोड़ों किसानों को ब्याज से मिलेगी राहत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना (एमआईएसएस) के तहत ब्याज छूट (आईएस) घटक को जारी रखने और आवश्यक निधि व्यवस्था को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुयी मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी है। बैठक के बाद केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

कैबिनेट का फैसला किसानों की आय को दोगुना करने, ग्रामीण ऋण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और समय पर और सस्ती ऋण पहुंच के माध्यम से कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा ऋण लागत प्रवृत्तियों, औसत एमसीएलआर और रेपो दर को देखते हुए, ग्रामीण और सहकारी बैंकों का समर्थन करने और किसानों के लिए कम लागत वाले ऋण तक निरंतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ब्याज छूट दर को 1.5 प्रतिशत पर बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत किसानों को केसीसी के माध्यम से सात प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक ऋण प्राप्त हुए, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज छूट प्रदान की गई।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में तीन प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से चार प्रतिशत तक कम हो जाती है। पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिये गए ऋणों पर ब्याज लाभ दो लाख रुपये तक लागू है। श्री वैष्णव ने कहा कि देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं। इस समर्थन को जारी रखना कृषि के लिए संस्थागत ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, जो उत्पादकता बढ़ाने और छोटे और सीमांत किसानों के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

केसीसी के माध्यम से संस्थागत ऋण वितरण 2014 में 4.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2019 में 1.25 लाख करोड़ रुपये और दिसंबर 2024 तक 10.05 लाख करोड़ रुपये हो गया। कुल कृषि ऋण प्रवाह भी वित्त वर्ष 2013-14 में 7.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 25.49 लाख करोड़ रुपये हो गया। अगस्त 2023 में किसान ऋण पोर्टल (केआरपी) के शुभारंभ जैसे डिजिटल सुधारों ने दावा प्रसंस्करण में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाया गया है।

कर्नल कुरैशी पर टिप्पणी के लिए विजय शाह के खिलाफ कार्यवाही बंद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी के लिए मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ उच्च न्यायालय में जारी कार्यवाही को बुधवार को बंद करने का आदेश दिया और कहा कि वह (उच्चतम न्यायालय) अब इस मामले की जांच कर रहा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शीर्ष अदालत के पहले के आदेश के अनुपालन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्थिति रिपोर्ट मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी ने कुछ उपकरण जब्त कर लिए हैं और अपनी जांच शुरू कर दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि मंत्री के खिलाफ उच्च न्यायालय में समानांतर कार्यवाही जारी है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि चूंकि मामला अब उसके संज्ञान में है, इसलिए उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही बंद हो गई है। न्यायालय ने कहा कि शाह की गिरफ्तारी पर रोक समेत 19 मई को पारित अंतरिम निर्देश को आगे बढ़ाया जाता है।

शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में तय की। पीठ ने मामले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती।

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के बोलने एवं अभिव्यक्ति के अधिकार पर कोई रोक नहीं: न्यायालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट करने के आरोपी अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद से बुधवार को कहा कि उनके बोलने एवं अभिव्यक्ति के अधिकार पर कोई रोक नहीं है, लेकिन वह अपने खिलाफ मामलों के संबंध में कुछ भी ऑनलाइन पोस्ट नहीं कर सकते।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की आंशिक कार्य दिवस वाली पीठ ने 21 मई को उन पर लगाई गई अंतरिम जमानत की शर्त को फिलहाल संशोधित करने से इनकार कर दिया कि वह जांच का विषय रहे उन दोनों ऑनलाइन पोस्ट से संबंधित कोई ऑनलाइन पोस्ट, लेख नहीं लिखेंगे या इसके बारे में मौखिक रूप से कुछ नहीं बोलेंगे।

शीर्ष अदालत ने प्रोफेसर को भारत की धरती पर हुए आतंकवादी हमले या भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई जवाबी प्रतिक्रिया के संबंध में कोई भी राय व्यक्त करने से भी रोक दिया।

पीठ ने कहा कि वह प्रोफेसर को दी गई अंतरिम जमानत को बढ़ा रही है और विशेष जांच दल (एसआईटी) को सुनवाई की अगली तारीख पर जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट किया कि जांच का विषय प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकी हैं और हरियाणा पुलिस से कहा कि वह जांच में ''इधर उधर नहीं भटके'' और ''उपकरण'' की तलाश करे। इस पर पुलिस ने कहा कि वह जांच करना चाहेगी।

पीठ ने हरियाणा पुलिस से प्रोफेसर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के नोटिस पर उसकी प्रतिक्रिया के बारे में भी अदालत को अवगत कराने को कहा। एनएचआरसी ने 21 मई को कहा था कि उसने गिरफ्तारी के संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट का ''स्वतः संज्ञान'' लिया है।

मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि ''रिपोर्ट उन आरोपों का सार है जिनके आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट प्रथम दृष्टया खुलासा करती है कि उक्त प्रोफेसर मानवाधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन किया गया है''।

शीर्ष अदालत ने 21 मई को प्रोफेसर को अंतरिम जमानत दे दी। उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' पर उनके विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट के कारण गिरफ्तार किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर: तृणमूल ने की जून में संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

तृणमूल कांग्रेस ने मानसून सत्र से पहले जून में संसद का विशेष सत्र बुलाने की बुधवार को मांग की। मानसून सत्र जुलाई में होने की संभावना है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद से विपक्षी दल संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में सांसदों को जानकारी देने के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी यह मांग उठाई गई थी।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता सागरिका घोष ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी पहलगाम हमले के बाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सरकार के साथ खड़ी रही और विदेश भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का भी समर्थन किया।

घोष ने कहा, ''सरकार को पूर्ण समर्थन देने के बाद हम अब सांसद कपिल सिब्बल की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग का समर्थन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम मांग करते हैं कि मानसून सत्र से पहले जून में एक विशेष सत्र आयोजित किया जाए।''

तृणमूल नेताओं ने कहा कि संसद के विशेष सत्र के वाश्ते दबाव बनाने के लिए विपक्षी दल मिलकर काम कर रहे हैं। राज्यसभा में तृणमूल के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने संवाददाताओं से कहा, ''हम संसद के विशेष सत्र की मांग पर मिलकर काम कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं।''

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत छह और सात मई की मध्य रात्रि को पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए।

भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिश्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारत ने पाकिश्तानी प्रयासों का कड़ा जवाब दिया।

2025-29 में पृथ्वी का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा से अधिक होने की संभावना: डब्ल्यूएमओ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा बुधवार को प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात की 70 प्रतिशत संभावना है कि 2025-2029 की अवधि में औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक श्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाएगा।

इसमें यह भी कहा गया है कि 80 प्रतिशत संभावना है कि अगले पांच वर्षों में से कम से कम एक वर्ष 2024 से अधिक गर्म वर्ष होगा।

रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष होने के अलावा, 2024 पहला कैलेंडर वर्ष होगा जिसमें वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 की आधार रेखा से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा वह लक्ष्य है जिस पर देशों ने 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए सहमति व्यक्त की थी।

देशों को इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यालय को 2031-2035 की अवधि के लिए राष्ट्रीय श्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) या राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं का अपना अगला दौर प्रश्तुत करना आवश्यक है। इन जलवायु योजनाओं का सामूहिक उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखना है। डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 और 2029 के बीच प्रत्येक वर्ष औसत वैश्विक सतही तापमान 1850 और 1900 के बीच के तापमान की तुलना में 1.2 से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक

एफएसएसएआई ने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों से मोटापे से निपटने के लिए कदम उठाने को कहा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने राज्यों से मोटापे की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने सहित अन्य कदम उठाने को कहा है। नियामक ने एक बयान में कहा, ''मोटापे के खिलाफ तत्काल कार्रवाई और तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी लाने के प्रधानमंत्री के आह्वान के जवाब में, 'भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण' (एफएस एसएआई) ने मंगलवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जागरूकता बढ़ाने और बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता से निपटने के लिए ठोस उपाय लागू करने का आग्रह किया।''

दिल्ली में 27 मई को आयोजित 47वीं केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की बैठक के दौरान इस मामले पर विचार-विमर्श किया गया। बयान में कहा गया है कि विश्तृत विचार-विमर्श के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से व्यापक जन जागरूकता अभियान सहित समग्र उपाय करने का आग्रह किया गया, ताकि मोटापा मुक्त और स्वस्थ राष्ट्र के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

चर्चा का एक महत्वपूर्ण बिंदु विद्यालयों में 'शुगर बोर्ड' लगाये जाने के बारे में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का हालिया निर्देश था । एफएसएसएआई ने राज्यों से इस महत्वपूर्ण पहल को सक्रिय रूप से समर्थन देने और बड़े पैमाने पर लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे स्कूल जाने वाले बच्चों में चीनी की अत्यधिक खपत को रोकने में मदद मिलेगी और छोटी उम्र से ही स्वस्थ आहार संबंधी आदतें विकसित होंगी।

एफएसएसएआई ने इस बात पर जोर दिया कि ''इन सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य महत्वपूर्ण हैं।''

चर्चा में राज्यों द्वारा खाद्य सुरक्षा निगरानी बढ़ाने, 'ईट राइट इंडिया' आंदोलन को बढ़ावा देने तथा समाज के सभी वर्गों में पौष्टिक और सुरक्षित खाद्य विकल्पों की उपलब्धता को प्रोत्साहित करने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्राधिकरण ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके प्रयासों में सभी आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

47वीं सीएसी बैठक में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें खाद्य संरक्षा आयुक्त, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिधि और खाद्य उद्योग, उपभोक्ता समूहों, कृषि, प्रयोगशालाओं और अनुसंधान संगठनों के हितधारक शामिल थे।

जातीय जनगणना कराने का फैसला क्रांतिकारी: धनखड़

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जातीय जनगणना कराने के फैसले को क्रांतिकारी करार देते हुए कहा कि राजनीतिक और भौगोलिक परिवर्तन के उद्देश्य से किए गए सुनियोजित जनसांख्यिकीय परिवर्तन सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन बिगाड़ते हैं। श्री धनखड़ ने बुधवार को महाराष्ट्र के मुंबई मे अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस) के 65वें और 66वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबरन धर्मांतरण द्वारा आस्था को हथियार बनाने से सामाजिक सद्भाव नष्ट होता है।

उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना समतामूलक विकास की दिशा में एक मील का पत्थर है।

श्री धनखड़ ने कहा कि कुछ भौगोलिक क्षेत्रों की संरचना को बदलने के उद्देश्य से सुनियोजित और सुव्यवस्थित परिवर्तन किए जा रहे हैं। जनसांख्यिकी में ये सुनियोजित परिवर्तन अक्सर राजनीतिक या रणनीतिक उद्देश्यों हैं, जो निश्चित रूप से राष्ट्र के लिए अच्छे नहीं हैं। ये सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन को बिगाड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए ऐसी खतरनाक प्रवृत्तियों पर सतर्क निगरानी और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है। ये सबसे चिंताजनक प्रवृत्तियाँ हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि शांति लोकतंत्र के अश्तित्व के लिए आवश्यक है। शांति शक्ति की स्थिति से ही प्राप्त होती है। लोकतंत्र तभी फल-फूल सकता है और समृद्ध हो सकता है, जब शक्ति, प्रभावी सुरक्षा, आर्थिक लचीलापन, आंतरिक सद्भाव से शांति प्राप्त हो।

उन्होंने कहा, 'शांति तभी प्राप्त की जा सकती है, जब हम युद्ध के लिए सदैव तैयार रहें। भारत ने वैश्विक संदेश दिया है। अब हम आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम इसे समाप्त करेंगे और इसके स्रोत को नष्ट करेंगे। शांति का अर्थ संघर्ष का अभाव नहीं है।'

उपराष्ट्रपति ने कहां की सरकार का जातिगत जनगणना कराने का निर्णय क्रांतिकारी साबित होगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार की हड्डी और दांत टूटे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। सिहानी गेट थानाक्षेत्र में गलत दिशा में आई कार ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार की हाथ की हड्डी और दांत टूट गए। थाने-चौकी में चक्कर काटने पर भी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित द्वारा पुलिस आयुक्त से गुहार लगाने पर 14 मई को हुई घटना की रिपोर्ट 27 मई को दर्ज हुई। न्यू पंचवटी कॉलोनी के सी-ब्लॉक में रहने वाले विशाल सिंह का कहना है कि 14 मई की सुबह करीब सवा सात बजे जीटी रोड स्थित राकेश मार्ग कट पर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार गलत दिशा में आया और उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रुप से घायल हो गए, जबकि बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रश्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से वह अस्पताल पहुंचे, जहां पता चला कि उनकी बायें हाथ की कलाई तथा दो दांत टूट गए हैं। इसके अलावा उनके चेहरे पर भी गंभीर चोट आई है। विशाल सिंह का कहना है कि टक्कर मारने वाली गाड़ी लखनऊ आरटीओ विभाग में पंजीकृत है। आरोप है कि उन्होंने घटना वाले दिन ही सिहानी गेट थाने में प्रार्थना-पत्र दिया था, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बार-बार पुलिस ने कहा कि पहले उपचार कराओ, कार्रवाई बाद में होगी।

मारपीट में घायल युवक की मौत पुलिस पर लापरवाही का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। इकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के कुलेसरा गांव में मारपीट से घायल एक युवक की दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई का आरोप है कि कुलेसरा चौकी पर शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। मूलरूप से बिहार के वैशाली जिला निवासी रोहित कुमार कुलेसरा गांव में रहते थे। उनके भाई कुंदन कुमार का आरोप है कि 17 मई को उसका भाई घर पर था। जब वह ड्यूटी के बाद घर पहुंचे तो रोहित कमरे में गंभीर अवस्था में मिला। उसे बिसरख के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान 26 मई को रोहित की मौत हो गई। आरोप है कि रोहित के साथ मारपीट की गई थी। कमरे में जब वो मिला था तो उसके मुंह से झाग निकल रहा था। पड़ोस में रहने वाले चार भाई सुशील, मुकेश, मोनू और पंकज निवासी कुलेसरा ने खिलाने व पिलाने के बाद उसके साथ मारपीट की थी। आरोप है कि 24 मई को कुलेसरा पुलिस चौकी पर शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। वहीं इकोटेक तीन कोतवाली पुलिस का कहना है कि पीड़ित ने पूर्व में कोई शिकायत नहीं की थी। 27 मई को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

वाहन ने बाइक सवार दंपति को रौंदा, पत्नी की मौत

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। रबूपुरा के झाझर रबूपुरा मार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दंपत्ति को पीछे से रौंद दिया। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती उसके पति की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद आरोपी चालक फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि गाजियाबाद के कस्बा डासना निवासी महिला विमलेश अपने पति नरेश के साथ रबूपुरा के गांव तिरथली स्थित अपने मायके आई थी। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे दोनों बाइक पर सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान झाझर रबूपुरा मार्ग पर मेहमदपुर जादौ गांव के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन (छोटा हाथी) ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दंपत्ति बाइक समेत उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में बाइक क्षतिग्रश्त हो गई और पति पत्नी को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद वाहन चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को गंभीर हालत में झाझर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पाकर महिला के मायके वाले भी अस्पताल पहुंच गए। इलाज के दौरान 35 वर्षीय विमलेश ने दम तोड़ दिया। उधर मृतका के पति नरेश की नाजुक हालत को देखते हुए बुलंदशहर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

रेलवे कर्मचारी और भाई को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। रबूपुरा के गांव दूबली में रंजिश के चलते दबंगों ने रेलवे कर्मचारी और उसके भाई पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित का हाथ टूट गया। शिकायत पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुष्पेंद्र रेलवे कर्मचारी है। वह छुट्टी पर गांव आया हुआ था। शनिवार सुबह पुष्पेंद्र गांव से ड्यूटी के लिए जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान राश्ते में पहले से घात लगाए बैठे गांव निवासी दबंग आरोपी बब्लू, मनीष, ललित और अभिषेक ने लाठी डंडों से उसपर हमला कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर कैंपों में लौटने लगे आतंकी, पीओके में हुए ऐक्टिव, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स और ट्रेनिंग कैंपों में आतंकियों की फिर से वापसी हो रही है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शशांक आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों से आतंकियों की घुसपैठ की संभावनाओं के इनपुट मिल रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

- **घुसपैठ की कोई तय तारीख नहीं, लेकिन तैयारी जोरों पर-** आईजी शशांक आनंद ने कहा, फिलहाल हमारे पास किसी खास दिन की जानकारी नहीं है जब आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें लगातार सूचना मिल रही है कि आतंकी संगठन एक्टिव हैं। वे फिर से अपने कैंपों में लौटे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं, और ऐसे रास्तों से घुसपैठ की कोशिश करेंगे जहां उन्हें सुरक्षा में ढील महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में एलओसी और आईबी पर खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे हैं, इसलिए हर इलाके में सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड में रहना होगा।
- **100 से ज्यादा आतंकियों का सफाया, ऑपरेशन सिंदूर की सटीक स्ट्राइक-** भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशों को भी नाकाम किया गया। 13 मई को ऑपरेशन केलर के तहत चार लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

- **ड्रोन हमले में तीन जवान शहीद, पोस्ट को मिलेगी वीरता की पहचान-** 10 मई की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ की पोस्ट्स पर ड्रोन के जरिए हमला किया। इस हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार शहीद हो गए। आईजी आनंद ने कहा, हम इन शहीदों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए दो पोस्ट्स का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव रख रहे हैं, और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखा जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाएगा।
- **पाकिस्तान की गोलीबारी का माकूल जवाब-** उन्होंने यह भी बताया कि 7 मई को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ था, तब यह आशंका थी कि पाकिस्तान जवाब में फायरिंग करेगा। बीएसएफ ने इस आशंका को ध्यान में रखते हुए जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर चौकसी बढ़ा दी थी। जब पाकिस्तान ने अकारण गोलीबारी की, तो बीएसएफ ने उसका करारा जवाब दिया।

उन्होंने बताया, हमारे निगरानी उपकरणों में यह सब रिकॉर्ड हुआ है। हमने पाकिस्तान में मौजूद तीन आतंकी लॉन्चपैड्स को भी निशाना बनाकर नष्ट किया है। यह संदेश स्पष्ट है - भारत किसी भी आतंकी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई। आईजी ने कहा, ''चिकन नेक क्षेत्र के सामने लश्कर-ए-तैयबा के लॉन्च पैड को 9-10 मई की रात को एक विशेष हथियार प्रणाली का उपयोग करके नष्ट कर दिया गया।''

'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया

बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।''

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज ! 31 मई को आएंगे जयपुर, कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि, यह दौरा महज़ एक महिला केंद्रित कार्यक्रम में शिरकत तक सीमित नहीं रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, नड्डा प्रदेश संगठन की स्थिति को भी परख सकते हैं और इसके लिए एक अहम अनौपचारिक बैठक आयोजित की जा सकती है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नड्डा दोपहर बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रह सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं, हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैठक का कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

माना जा रहा है कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। नड्डा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले विभिन्न संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर प्रारंभिक चर्चा की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर से फीडबैक लिया जाएगा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद और समन्वय कैसा चल रहा है।

सूत्रों के अनुसार, नड्डा इस दौरान यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि प्रदेश सरकार और संगठन के बीच तालमेल किस स्तर का है। हाल ही में हुई बैठकों और घटनाक्रमों के आधार पर स्थानीय स्तर पर उभरे गुटबाजी और मतभेदों की रिपोर्ट भी उनके समक्ष रखी जा सकती है। यह बैठक भले ही अनौपचारिक हो, लेकिन इसके दूरगामी राजनीतिक असर माने जा रहे हैं।

इसके अलावा, नड्डा निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनावों को लेकर भी नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं। यह दौरा जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंपर्क की रणनीति को बल देगा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक कसौटी पर नेताओं की भूमिका और सक्रियता को भी परखेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह दौरा राजस्थान भाजपा के लिए आत्मविश्लेषण और सुधार की दिशा में एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। आने वाले समय में यदि संगठन में कोई बड़ा बदलाव होता है तो उसकी झलक इस बैठक में देखी जा सकती है। नड्डा का यह दौरा न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संदेशवाहक होगा, बल्कि आने वाले राजनीतिक समीकरणों का संकेत भी बन सकता है।

संजय राउत के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने जताया कड़ा ऐतराज

महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान

मुंबई, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताने पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कदम ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताना गलत है। हमारे देश के जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया। आज तक पाकिस्तान में किसे ने ऐसी कार्रवाई नहीं की थी। पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान आतंकियों का हब है, उस पर हमला करने की हिम्मत भारत ने दिखाई। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर आप देश की बदनामी पूरी दुनिया में कर रहे हो। मुझे लगता है कि अगर आप सपोर्ट नहीं कर सकते तो कम से कम चुप बैठना चाहिए। ऐसी मानसिकता को सड़ा हुआ दिमाग ही कहेंगे।%

दरअसल, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताया था। शिवसेना यूबीटी नेता का यह बयान तब आया जब भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया है। साथ ही, विपक्षी नेता पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है। राउत ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर विफल रहा। हालांकि, राष्ट्रहित में विपक्ष इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहता। पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से 26 निर्दोष लोगों की हत्या के कारण ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। हमले के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार थे और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। पीएम मोदी को अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए।% **ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए 100 से अधिक आतंकी-** ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से 6-7 मई की रात शुरू किया गया सैन्य अभियान था। यह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के शिविर नष्ट किए गए। इस अभियान में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों और तकनीक का उपयोग हुआ, जिसमें नूर खान और रहीमयार खान जैसे पाकिस्तानी एयरबेस को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत वायु रक्षा तंत्र ने इसे नाकाम कर दिया।

राजस्थान में सूखे तालाब-बांधों की चमकेगी किस्मत !

भजनलाल सरकार का मास्टरप्लान

जयपुर, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशमी के अवसर पर 5 जून से प्रदेशभर में जलाशयों के पुनर्जीवन और हरियाली बढ़ाने के लिए विशेष अभियान की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश और राजस्थान पत्रिका की पहल पर शुरू हो रहा यह अभियान जनआंदोलन का रूप लेगा। अभियान का शुभारंभ पांच जून को राज्यभर में नदियों, तालाबों और कुओं के पूजन से किया जाएगा। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को संबंधित आठ विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में जल संसाधन, भूजल, कृषि, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, वन एवं पर्यावरण तथा आयोजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। पंत ने सभी विभागों से तीन दिन में अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित जलस्रोतों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार ने अभियान के लिए जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। अभय कुमार ने मंगलवार शाम सभी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से भी चर्चा की और उन्हें अपने जिलों में अभियान के तहत किए जाने वाले कार्यों की योजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को अभियान से जुड़े विभागों के मंत्रियों, प्रमुख अधिकारियों, कलेक्टरों और संभागीय आयुक्तों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान अभियान की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

15 दिन चलेगा विशेष अभियान- यह अभियान 15 दिन तक चलेगा, जिसके तहत जलस्रोतों की सफाई, गाद निकासी, डिसिल्टिंग, वर्षा जल संचयन और वृक्षारोपण जैसे कार्य किए जाएंगे। पुराने और उपेक्षित जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने पर विशेष ध्यान रहेगा।

जनप्रतिनिधियों को जोड़ा जाएगा

सरकार इस अभियान को केवल सरकारी योजना के रूप में नहीं, बल्कि जन आंदोलन के रूप में संचालित करना चाहती है। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अभियान में जोड़ा जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

देश भर से आएं लोग, खत्म हो गया कश्मीर में डर का माहौल; फारूक अब्दुल्ला की पहलगाम से अपील

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर में अब डर का माहौल काफी हद तक खत्म हो गया है। उन्होंने देश भर के लोगों से आग्रह किया कि वे कश्मीर में खूबसूरती का आनंद लेने के लिए आएं। अब्दुल्ला ने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वह जम्मू-कश्मीर की यात्रा के खिलाफ कुछ देशों की ओर से जारी निगेटिव ट्रैवल गाइडलाइन को रद्द कराने का प्रयास करे। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन प्रभावित हुआ है। इस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

अब्दुल्ला ने कहा, यहां (पहलगाम हमला) जो हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। लोग यहां खुशी-खुशी आ रहे थे। लोग अपने काम में व्यस्त थे, वे सरकारी नौकरी नहीं मांग रहे थे। पहलगाम में स्थिति ऐसी थी कि यहां कमरे उपलब्ध नहीं थे।सीनियर लीडर ने पर्यटक रिसॉर्ट का दौरा किया और कुछ मित्रों के साथ पहलगाम गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेला। उन्होंने कहा कि हालांकि हमले से भय का माहौल पैदा हुआ है, लेकिन सरकार ने घाटी में सुरक्षा स्थिति सुधारने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा, यहां डर का माहौल था, लेकिन मुझे लगता है कि अब डर का माहौल काफी हद तक कम हो गया है। आप देख सकते हैं कि कितने लोग पहलगाम आ रहे हैं। मैं गुलमर्ग में था, वहां 400-500 पर्यटक थे। उन्होंने कहा, अल्ला का शुक्र है कि अब डर खत्म हो रहा है। सरकार ने भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि लोगों को आगे आना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने केंद्र से अपील की कि वह उन देशों से बातचीत करे, जिन्होंने अपने नागरिकों को जम्मू कश्मीर नहीं जाने के लिए परामर्श जारी किया है, ताकि ये पाबंदियां हटाई जा सकें।

उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हवाला देते हुए कहा, मैं केंद्र सरकार और विदेश मंत्री से भी अनुरोध करता हूं कि अब समय आ गया है कि विदेशों द्वारा भारत आने पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए जाएं। दोनों देशों में शांति आ गई है और हम आशान्वित हैं कि शांति बनी रहेगी। उन्हें भी यहां आने की अनुमति मिलनी चाहिए क्योंकि वे भी इस जगह को देखना चाहते हैं। इनमें से कई गोल्फ खिलाड़ी हैं, मैं आशा करता हूं कि वे आएंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि बहुत से लोग गोल्फ खेलते हैं और इस खेल को अब खेलो इंडिया गेम्स में भी जगह मिल गई है। उन्होंने कहा, यह खेल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में खेला जाता है, इसलिए अब इसे हर जगह खेले जाने की जरूरत है। मेरा मानना ??है कि हमारे लोगों को बड़ी संख्या में यहां आना चाहिए और इस खेल को खेलना चाहिए ताकि भारत को इन खेलों में पदक मिल सके। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, इस मौसम और सुंदरता को देखिए, मैंने दुनिया भर में विभिन्न स्थानों की यात्रा की है, लेकिन मैंने कहीं भी ऐसी सुंदरता नहीं देखी है। मुझे उम्मीद है कि आपके चैनल को देखने वाले लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे, इस सुंदरता को देखेंगे और देश को मजबूत बनाएंगे। हमें डरना नहीं चाहिए, अगर हम डर गए, तो हम मर चुके हैं।

अमरनाथ यात्रा पर बोले- यह अहम है, भोले नाथ के होंगे दर्शन- अब्दुल्ला ने तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के बारे में कहा कि यह तीर्थयात्रा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह कई वर्षों से जारी है। मुझे उम्मीद है कि अधिक से अधिक तीर्थयात्री यहां आएंगे और शंकर भगवान, भोले नाथ के दर्शन करेंगे तथा अपने घर जाकर लोगों को बताएंगे कि यह स्थान कितना सुंदर है।

बहन के घर आई महिला के साथ मारपीट, चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की पुष्प विहार कालोनी में 24 मई को बहन के घर आई महिला के साथ चार लोगों ने गाली गलौज कर मारपीट की। मारपीट का विरोध करने पर आरोपियों ने महिला का मोबाइल फोन तोड़कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िति की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली सोनिया नगर निवासी हिमांशी सोनी अंकुर विहार थाना क्षेत्र की पुष्प विहार कालोनी में रहने वाली बहन शिखा के घर आई थी। उन्होंने बताया कि वह बहन के साथ प्लाट पर गई थी। इस दौरान मनोज उर्फ लालू, सुरेंद्र धामा उर्फ सुंदर, यासीन मंसूरी, सब्बीर कुरैशी प्लाट पर पहुंचे। आरोप है कि चारों ने कहासुनी के बाद गाली गलौज कर उनके साथ मारपीट की। विरोध करने पर उनका मोबाइल तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िति ने पुलिस से मामले की शिकायत की। CO लोनी सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट पर चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

साइबर अपराधियों ने महिला समेत दो लोगों से 2.87 लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साइबर अपराधियों ने कविनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला समेत दो लोगों के साथ 2.87 लाख रुपये की ठगी का डाली। दोनों पीड़ितों ने कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। कविनगर थाना क्षेत्र में एनएच-नौ स्थित महागुनपुरम सोसाइटी में रहने वाली सुदिप्ता का कहना है कि उनके साथ 28 अप्रैल 2023 को टेलीग्राम लिंक के माध्यम से साइबर ठगी की गई। जालसाजों ने उनके खाते से 2,74 लाख रूपये निकाल लिए। मोबाइल पर रकम निकासी का संदेश मिलने पर फर्जीवाड़े का पता चला। इसके अलावा दूसरे मामले में गोविंदपुरम निवासी हिमांशु मलिक ने मुकदमा दर्ज कराया है। उनका कहना है कि ठगों ने उनके स्टेट बैंक आफ इंडिया के खाते से चार बार में 13330 रूपये ऑनलाइन होटल बुक करने के नाम पर ठग लिए। कविनगर पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाने की साइबर सेल द्वारा जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

12 दिन से अधेड़ लापता, परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ग्राम सराय से 12 दिन पूर्व 45 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति बिना कुछ बताएं अपने घर से चले जाने पर परिजनों द्वारा काफी तलाश करने पर कहीं पता नहीं लगने पर बुधवार को अनहोनी की आशंका को लेकर पुलिस को तहरीर दी।उक्त युवक 6 बच्चों का बाप है जिसमे पांच बेटियां एक लड़का है। थाना नहटौर ग्राम सराय निवासी नेपाल सिंह उर्फ मूला उम्र 45 वर्ष 17 मई 2025 को अपने घर से प्रातः 10:00 बजे बिना कुछ बताएं घर से चला गया था उसके परिजनों के अनुसार शाम तक प्रतीक्षा की शाम तक घर न लौटने पर उनकी चिंताएं बढ़ गई साथ ही इधर-उधर तलाश किया परंतु कहीं पता ना चल सका रिश्तेदारियों में अन्य स्थानों पर तलाश किया गया परंतु कहीं पता नहीं चल सका उक्त युवक पांच बेटियां एक बेटे का बाप है साथ ही तीन बेटियों की शादी कर चुका है तीन बच्चे शेष है जिसमें सबसे छोटा बेटा है अनहोनी की आशंका को लेकर की पत्नी छोटी देवी ने अपने ससुराल के साथ थाना कोतवाली पहुंचकर बुधवार को तहरीर दी थाना अध्यक्ष धीरज नगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा तलाश की जा रही है।

बिजेंद्र सिंह ने छात्रों को किया सम्मानित कंपोजिट विद्यालय दबथला में आयोजित समर कैंप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। कंपोजिट विद्यालय दबथला में आयोजित समर कैंप में मुख्य अतिथि विजेंद्र सिंह मटौरामान ने छात्रों को खेलकिट एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से समर कैंप में आयोजित गतिविधियों में पूरे मनोयोग से प्रतिभाग करने का आवाहन किया। आयोजित समर कैंप में छात्रों ने सिंगिंग, डांसिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट आदि गतिविधियों में प्रतिभाग किया। समर कैंप में सुधाराज, अमर सिंह, मीनाक्षी देवी, महिपाल सिंह, रानी आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने आए पति की बाइक केंद्र के बाहर से चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने आए बाइक सवार की बाइक नर्सिंग होम के बाहर से चोरी हो गई।इसके अलावा गांव मेहरपुर के पास सड़क पर खड़ी एक किसान की भी बाईक चोरी हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी। गांव मुकर्रमपुर निवासी अजय कुमार अपनी पत्नी का अल्ट्रासाउंड करने के लिए नहटौर के कोतवाली देहात मार्ग स्थित पाल नर्सिंग होम पर आया था।उसने बाईक नर्सिंग होम के बाहर खड़ी कर दी।जब कुछ देर बाद अल्ट्रासाउंड करने के बाद बाहर आया तो उसकी बाइक गायब मिली। नर्सिंग होम के सीसीटीवी में एक युवक बाइक ले जाता हुआ नजर आया।अजय कुमार के साथ ग्रामीण नर्सिंग होम पर पहुंचे इधर-उधर तलाश की लेकिन कोई अता पता नहीं लग सका। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। इसके अलावा गांव मेहरपुर निवासी किसान तोताराम सिंह अपने खेत पर गया था। उसने बाईक सड़क किनारे खड़ी कर दी और खेत को देखने के लिए चला गया।इसी दौरान उसकी बाईक गायब हो गई।

आरक्षी सौरभ की मौत मामले में पुलिस टीम पर फायरिंग करने वाले

9 और आरोपी गिरफ्तार कुल गिरफ्तारी हुई 14

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र में पुलिस टीम पर पथराव और फायरिंग करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में बुधवार को 9 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 14 हो चुकी है।

घटना 25 मई की रात करीब 11 बजे की है, जब नोएडा कमिश्नरेट के थाना फेस-3 से उपनिरीक्षक सचिन राठी अपनी टीम के साथ गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र स्थित ग्राम नाहल में वांछित अभियुक्त कादिर पुत्र खुर्शेद उर्फ खुर्शीद को पकड़ने पहुंचे थे।

कादिर को दबोचने के दौरान वहां भीड़ एकत्र हो गई और अचानक पुलिस पर पथराव और फायरिंग शुरू कर दी गई। इस हमले में कांस्टेबल सौरभ के सिर में गोली लग गई और कांस्टेबल सोनित भी घायल हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू की। पहले चरण में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

इसके बाद मसूरी पुलिस ने 8 आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया है, जिनमें जावेद पुत्र शमशाद, मुरसलीन पुत्र चांद, इनाम पुत्र शमशाद, महताब पुत्र बहाव, मेहराज पुत्र जमशेद, जावेद पुत्र अब्बास, हसीन पुत्र युनुस और मुरसलीम पुत्र हसरत शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, एक आरोपी अब्दुल रहमान पुत्र मुजम्मिल को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी ग्राम नाहल और आसपास के क्षेत्रों के निवासी हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 25 मई की रात को पुलिस पर जानलेवा हमला किया था, ताकि कादिर को छुड़ाया जा सके।

पुलिस द्वारा अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कानून के तहत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

बिल्डर कंपनी के प्रतिनिधि समेत 8 पर धोखाधड़ी का केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

अवंतिका में रहने वाले व्यक्ति ने परिजनों और बिल्डर कंपनी के प्रतिनिधि समेत आठ लोगों पर धोखाधड़ी से पुश्तैनी जमीन नाम कराकर बेचने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर सिहानी गेट थाने में केस दर्ज कराया है। अवंतिका निवासी अमित नागर का कहना है कि दिवंगत पिता रण सिंह नागर ने दो शादियां की थीं।

पहली पत्नी अतरकली के एक बेटी इंद्रेश और बेटा लोकेश नागर हैं। दूसरी पत्नी सुमन नागर से तीन बेटे अमित नागर, ललित नागर और विनीत नागर हैं। पिता की संपत्ति में मां को मिलाकर छह वारिस हैं।

अमित का कहना है कि लोकेश, इंद्रेश और इंद्रेश के पति विजयपाल ने गांव की संपत्ति हड़पने के लिए फर्जी वारिसान बनवा लिया।

आरोपियों ने एक बिल्डर कंपनी के अधिकृत हश्ताक्षरी राजबहादुर के साथ मिलकर उनकी और तीन अन्य वारिसों की जमीन अपने नाम करा ली। लालच देकर रतिराम और सुमित नागर को गवाह बनाया गया। इसके बाद लोकेश नागर ने जमीन का बैनामा अपने साले के नाम कर दिया।

फर्जीवाड़े के विरोध पर आरोपियों ने मारपीट की। सिहानी गेट थाने में शिकायत दी पर कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज किया। एसीपी पूनम मिश्रा का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर आठ लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी आदि धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर आठ लाख ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर शालीमार एक्सटेंशन निवासी व्यक्ति से आठ लाख रुपये ठग लिए।

जालसाजों ने ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर जाल में फंसाया और मोटी रकम ट्रांसफर करा ली। ठगी के संबंध में पीड़ित ने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है।

साहिबाबाद थानाक्षेत्र के शालीमार गार्डन एक्सटेंशन में रहने वाले ललित वर्मा का कहना है कि इशिता पॉल नाम की लड़की ने उन्हें व्हॉट्सऐप पर संदेश भेजा। उसने बताया कि वह जिरोधा निवेश में काम कर रही है। वह दैनिक आधार पर 20 फीसदी स्टॉक खरीद रहे हैं और 15 से 20 फीसदी लाख कमा रहे हैं।

मुनाफे का हवाला देते हुए इशिता पॉल ने कहा कि वह क्यू-फोर निवेश धर्मा कैपिटल नाम के उनके ट्रेडिंग ऐप में केवाईसी कर सकते हैं और निवेश करके मोटा पैसा कमा सकते हैं। ललित वर्मा का कहना है कि इशिता पॉल की बातों में आकर वह रकम निवेश करने के लिए तैयार हो गए।

इसके लिए लिंक भेजकर उनका ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाया गया और फिर यूजरनेम और पासवर्ड बनाया गया। इसके बाद उन्होंने नौ मई 2025 से ऐप में रकम निवेश करना शुरू कर दिया। ललित वर्मा के मुताबिक निवेश करने पर जालसाजों ने उन्हें ऑनलाइन मुनाफा दर्शाकर जाल में फंसाया।

इस तरह धीरे-धीरे करके साइबर अपराधियों ने उनसे करीब आठ लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। ललित वर्मा के मुताबिक उनसे अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई। वह जब भी अपने रुपये निकालने का प्रयास करते, जालसाज कोई न कोई बहाना बनाकर उन पर और रकम ट्रांसफर करने का दबाव डालते।

आखिर में उन्होंने धनराशि उपलब्ध न होने का हवाला देते हुए निवेश करने से इनकार कर दिया तो जालसाजों ने उनसे संपर्क तोड़ दिया। इसके बाद उन्हें ठगी का पता चला, जिसके बाद साइबर क्राइम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह का कहना है कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की मदद से जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र की भूमि फ्री होल्ड कराने की मांग तेज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद समेत प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों की जमीन फ्री होल्ड कराने की मांग तेज हो गई है। इस मुद्दे को लेकर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने राष्ट्रीय श्तर पर अन्य औद्योगिक संगठनों को मिलाकर ए-20 फोरम बनाया है।

इसके तहत फ्री होल्ड जमीन के लिए अभियान चलाया जाएगा। गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने 12 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए हैं।

इन सभी क्षेत्रों की जमीन लीज होल्ड पर है। आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने बताया कि उद्यमियों को यूपीसीडा से हर कार्य की अनुमति लेनी पड़ती है। इससे समय की बर्बादी होती है। हर कार्य के लिए कानपुर जाना पड़ता है।

इनको देखते हुए औद्योगिक संगठनों ने ए-20 फोरम बनाया है, जो प्रदेश में लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड कराने की पैरवी कर रहा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड इस शर्त के साथ किया जाए कि इसका भू-उपयोग केवल औद्योगिक रहे। आईआईए गाजियाबाद के संजय अग्रवाल ने बताया कि इस फोरम में 22 औद्योगिक संगठन हैं। प्रदेश श्तर पर 12 और जनपद श्तर पर 83 औद्योगिक संगठनों एक मंच पर आए हैं। इस दौरान मनोज कुमार, साकेत अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, संजय गर्ग, ब्रिजेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे। यहां लागू हो चुका आईआईए (एमएसएमई पॉलिसी) चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने बताया कि हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और तमिलनाडु में लीज होल्ड भूमि को फ्री होल्ड में बदलने की पॉलिसी लागू है।

उत्तर प्रदेश में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा विभिन्न कंपनियों के लिए अधिग्रहित भूमि को फ्री होल्ड करने संबंधी नीति वर्ष 2016 में जारी कर दी गई है, जो एक हेक्टेयर अथवा उससे अधिक क्षेत्रफल में कार्यरत इकाइयों के लिए लागू है। इससे सूक्ष्म और लघु उद्योग वंचित हैं।

प्रमुख सचिव ने कैलाश मानसरोवर भवन का निरीक्षण किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

पर्यटन, सांस्कृतिक एवं धर्मार्थ विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने बुधवार को कैलाश मानसरोवर भवन का निरीक्षण किया।

उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी के लिए व्यवस्था परखी। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए। कैलाश मानसरोवर यात्रा 11 जून से शुरू हो रही है। प्रमुख सचिव ने कैलाश मानसरोवर यात्रियों की सुविधा के लिए खान-पान, विश्राम सहित अन्य सभी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैलाश मानसरोवर भवन और परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की जाए।

राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराए जा रहे कार्यों के संबंध में प्रमुख सचिव ने कहा कि यह कार्य गुणवत्तापूर्वक कराया जाए। कैलाश मानसरोवर यात्रियों को किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े। इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस मौके पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, एडीएम सिटी विकास कश्यप, पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, कैलाश मानसरोवर भवन मैनेजर दिनेश गर्ग सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

बधाई मांगने से रोकने और पोस्टर लगाकर बदनाम करने का केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली किन्नर ने दूसरे गुट की चार किन्नरों पर मारपीट कर बधाई मांगने से रोकने तथा बदनाम करने के लिए जगह-जगह पोस्टर लगाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि विजयनगर थाने में कई शिकायत देने पर भी कार्रवाई नहीं हुई।

डीसीपी से गुहार लगाने के बाद केस दर्ज हुआ। मवई गांव की कब्रिश्तान वाली गली में रहने वाली मुस्कान उर्फ हारून का कहना है कि वह किन्नर समाज से ताल्लुक रखती हैं और अपने ग्रुप के साथियों के साथ बधाई मांगकर अपना और अपने साथियों का जीवन-यापन करती हैं। क्रॉसिंग रिपब्लिक, बागू, भीमनगर तथा उससे सटा क्षेत्र उनका इलाका है जहां वह बधाई मांगती हैं।

आरोप है कि किन्नर समाज की ही प्रिया, निशा, संजना और काजल 24 फरवरी 2025 को एकराय होकर आईं और बधाई मांगने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। विरोध करने पर चारों ने उनके तथा उनके साथियों के साथ मारपीट की।

मुस्कान का कहना है कि उस दौरान तो मामला रफा-दफा हो गया था, लेकिन इसके बाद से आरोपी किन्नर लगातार उनके कार्य में व्यवधान पैदा कर रही हैं।

प्रिया, निशा, संजना और काजल अकसर उनके और उनके साथियों के साथ मारपीट करती हैं। इतना ही नहीं, वह उनकी छवि को धूमिल करने के लिए जगह-जगह पोस्टर भी लगा देती हैं।

मुस्कान का कहना है कि आरोपी किन्नर नए-नए नंबरों से फोन करके उन्हें जान से मारने की धमकी दे रही हैं। धमकियों की दहशत में उनका और उनके साथियों का घर से निकलना भी दुश्वार हो गया है।

वह अपना रोजगार भी नहीं कर पा रही हैं। आरोपी किन्नरों ने उनके ग्रुप के पीछे बदमाश लगाए हुए हैं। आरोप है कि उन्होंने विजयनगर थाने में कई बार प्रार्थना-पत्र दिया, लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस उल्टा उन्हें धमकाकर भगा देती है।

थक-हारकर मुस्कान ने डीसीपी को शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। CO कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि विजयनगर थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

13 पेड़ों के परमिशन पर चोरी से लाखों रुपए के पेड़ काट डाले

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

पीड़ित ने ठेकेदार व वन रेंजर के विरुद्ध हमसाज होकर लाखो रुपये के निजी पेड़ काटने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर मिलने पर पुलिस ने जांच कर कार्यवाही करने की बात कही है। वहीं रेंजर ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

धामपुर के आरएसएम तिराहा (शक्ति नगर) निवासी अखलेश कुमार पुत्र नन्नु सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसने एक जमीन आरएसएम तिराहा धामपुर के निकट क्रय की है। जिसका इकरारनामा उसके नाम है। उस आराजी का गाटा संख्या-4, 5, 6, 7, 11 है।

उक्त जमीन पर 15 पेड सागोन 10 पेड तुन, 7 पेड ऑवले के 2 पेड़ जामुन, 2 पेड़ कटहल तथा 35 से-40 पेड़ लगभग आम के खड़े थे। जिनमें से उसने रेंजर धामपुर के कहने पर 13 पेड़ का परमिट बनवाया था।

उसने मौ. असद नाम के ठेकेदार को परमिट देकर उन 13 पेड़ो की रकम दो लाख पचास हजार रूपये तय की थी। आरोप है कि असद ठेकेदार ने बिना बताये रेंजर की मिली भगत से वह 13 पेड तो काटे ही और अन्य सारे पेड़ काटकर ले गया।

जिनकी कीमत लगभग 7 लाख बताई जा रहीं हैं।, आम के 8 और बाकी सारे पेड़ काट लिये जबकि आम का कोई परमिट नहीं था।

पीड़ित पिछले लगभग 2 माह से अपने रूपये मांग रहा है तो उसको जान से मारने की धमकी मिल रही है।

आरोप है कि ठेकेदार ने धामपुर वन विभाग के रेंजर को भी आधे पैसे दिये है। पीड़ित ने असद ठेकेदार और रेंजर के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। इस संबंध में जब धामपुर थाना प्रभारी राजेश चौहान से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पीड़ित द्वारा थाने में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि ठेकेदार ने हमारे पेड़ काट लिए हैं।

जबकि ठेकेदार असद ने बताया है कि मैने पेड़ काटने से मना कर दिया था। इसलिए मेरे खिलाफ झूठी तहरीर दी गई है। उन्होंने बताया कि वन विभाग से मिलकर इस संबंध में जांच की की जाएगी सबसे बड़ा सवाल 13 पेड़ आम के या 13 पेड़ सागुन की परमिशन यह तो जांच का विषय है

सड़क दुर्घटनाओं में भाई-बहन सहित चार बाइक सवार घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटना में भाई-बहन सहित चार बाइक सवार घायल हो गए। एक बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत हो गई।पुलिस ने शव को सीलकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्योहारा क्षेत्र के गांव रामखेड़ा निवासी हिपेंद्र अपने गांव के ही पुष्पेंद्र त्यागी के साथ ग्राम लखूवाला से नहटौर के नूरपुर मार्ग से होते हुए अपने घर जा रहे थे। मंगलवार की रात करीब 8:00 बजे नहटौर नूरपुर मार्ग पर गांव बालापुर के पास एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें हिपेंद्र व पुष्पेंद्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रैफर कर दिया। हिपेंद्र की उपचार के दौरान बिजनौर में मौत हो गई। इसके अलावा शेरकोट क्षेत्र के गांव मिर्जापुर निवासी नीरज अपनी बहन सपना के साथ बिजनौर दवाई लेने जा रहे थे।

बुधवार को सुबह 10:00 नहटौर झालू मार्ग पर गांव कोकापुर के ईट भट्टे के पास बाइक अनियंत्रित हो गई। जिसमें दोनों घायल हो गए।घायल भाई बहन को सीएचसी नहटौर में भर्ती कराया और दोनों को जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

थाना अध्यक्ष धीरज नगर ने बताया मृतक हिपेंद्र की पत्नी प्रियंका की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दूसरी घटना में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

भाकियू अनंत के कार्यकर्ताओं ने किया विद्युत अधिशासी अभियंता कार्यालय का घेराव

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भाकियू अनंत के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की अनदेखी करने और समस्याओं के समाधान कराने में उपभोक्ताओं को परेशान करने से क्षुब्ध होकर विद्युत अधिशासी अभियंता नगीना कार्यालय का घेराव कर धरना दिया उपभोक्ताओं की समस्याओं का तुरंत समाधान कराने के आश्वाशन के बाद धरना समाप्त किया गया।

भारतीय किसान यूनियन अनंत के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जिला प्रभारी शेखर पाल एवं नगर अध्यक्ष बढ़ापुर नफ़ीस अंसारी के नेतृत्व में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण कार्यालय नगीना पहुंचे और एसडीओ बढ़ापुर की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताते हुए कार्यालय का घेराव किया कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीओ बढ़ापुर विद्युत उपभोक्ताओं की परेशानी को नहीं सुनते हैं प्रार्थना पत्र देने के बाद उपभोक्ता विद्युत विभाग के कार्यालय के चक्कर लगाते लगाते परेशान हो जाता है जिससे नाराज होकर भाकियू अनंत कार्यकर्ता धरने पर बैठे। इसी दौरान विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता अंबरीश कुमार धरना स्थल पर किसान कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और विद्युत विभाग से संबंधित सभी समस्याओं के समाधान समय से कराए जाने और के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया। इस मौके पर नफ़ीस अंसारी, शेख लियाकत मो.अकरम, नरेंद्र सिंह, इंतिखाब अल्वी, मो. अख़्तर, असद सुल्तान रफीक अहमद आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीएड उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2025 को लेकर हुई बैठक

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

डीएम श्रीमती जसजीत कौर के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज पूर्वाह्न 11:30 बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आगामी 01 जून 2025 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड- 2025 की आयोजन की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

अपर जिलाधिकारी श्री सिंह ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2025 को जिले में पूर्ण रूप से सफल, सुचारू, नकल विहीन तथा सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी करना सुनिश्चित करें ताकि परीक्षा के समय किसी भी प्रकार की असुविधा एवं समस्या उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने बताया कि यूपी संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड-2025 आगामी 01 जून, 2025 को (रविवार) के दिन दो सत्रों में पूर्वाहन 9:00 बजे से 12:00 तक तथा अपराह्न में 2:00 से 5:00 तक जो 07 परीक्षा केंद्रों में संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बीएड परीक्षा को सुव्यवस्थित रूप सम्पन्न कराने के लिए केन्द्र अधीक्षक, केंद्र प्रतिनिधि एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट नामित करते हुए उन्हें निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करते हुए परीक्षा कार्यक्रम को पूर्ण सफलता एवं नकलविहीन रूप में संपन्न कराएं।

उन्होंने केंद्र प्रतिनिधि को निर्देशित करते हुए कहा कि गोपनीय सामग्री प्राप्त करने के लिए परीक्षा तिथि 1 जून, 2025 को प्रथम प्रश्न पत्र के लिए प्रातः 6:00 बजे तथा द्वितीय प्रश्न पत्र के लिए प्रातः 10:00 बजे से कोषागार में उपस्थित हो जाएं तथा जिला कोषागार से प्रश्न पत्रों के गोपनीय पैकेट नोडल समन्वयक से प्राप्त कर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्टेटिक मजिस्ट्रेट्स को निर्देश दिए कि अपने तैनाती केन्द्र पर परीक्षा प्रारंभ होने से परीक्षा समाप्ति तक केन्द्र पर भ्रमणशील रहते हुए परीक्षा के दौरान केंद्र पर नकल विहीन व निर्विघ्न परीक्षा संपन्न कराने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

उन्होंने समस्त केंद्र व्यवस्थापक केंद्र प्रतिनिधि एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि आयोग के निर्देशों का अक्षरशः से अनुपालन सुनिश्चित कराएं ताकि उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड- 2025 को पूर्ण रूप से नकल विहीन शांतिपूर्ण एवं सकुशल रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर संजीव वाजपेई, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं केंद्र प्रतिनिधि मौजूद थे।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)
कार्य का नाम तथा स्थान : सिग्नलिंग कार्य जिसमें दिल्ली Division के flood prone क्षेत्र में IP-67 Motor के साथ Insulated Point Machine का प्रावधान शामिल है।
कार्य की अनुमानित लागत : रु. 4,26,45,983.5/-
धरोहर राशि : रु. 3,63,200.00/-
कार्यालय का पता : वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय : निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 27.05.2025/ निविदा खुलने का दिनांक 18.06.2025, 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है : उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
सं.: 558-Sig-16-M-TENDER-1450 दिनांक: 27.05.2025 1564/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

सेना के शौर्य का यशोगान विपक्ष क्यों परेशान?

पाकिस्तानी आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर के जरिए निर्णायक कार्रवाई, आतंकियों का आका कहे जाने वाली पाकिस्तान सेना के ठिकानों पर प्रहार, शानदार कूटनीति के माध्यम से सिंधु जल समझौता रद्द करने के साथ अन्य व्यापारिक संबंधों पर पूर्ण विराम, पाकिस्तान के साथ अब सिर्फ पीओके और आतंकवादियों को सौंपने ही पर बातचीत का एलान और देश सहित सारी दुनिया में भारतीय सेना के पराक्रम तथा शौर्य का यशोगान।

पहलगाम के आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध सबसे बड़ा प्रहार ऑपरेशन सिंदूर की यही दास्तान है। देश और दुनिया में भारत सरकार के इस कदम की सराहना की जा रही है। वहीं,भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस द्वारा इस बार भी ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में सबूत मांगे जा रहे हैं। यही नहीं ,कांग्रेस द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर को लेकर भी कई सवाल उठाये जा रहे है।

पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करते हुए 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया था। बीते महीने की 22 तारीख को हुई इस कायरतापूर्ण कार्रवाई में सबसे पहले आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा। इसके बाद उनके हिंदू होने की तसल्ली करने के लिए उनको कलमा पढ़ने को कहा। और फिर पर्यटकों को अपनी जान देकर हिंदू होने की कीमत चुकानी पड़ी। इस कायराना कार्रवाई में सबसे बड़ा पहलू यह रहा कि आतंकियों ने हमास स्टाइल में पत्नी और बच्चों के सामने पुरुषों को बर्बर तरीके से सिर में गोली मारकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया।

इस आतंकी घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई का ऐलान किया और भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इससे पूर्व केंद्र सरकार ने जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने सेना और सरकार की प्रत्येक कार्रवाई में सहयोग और समर्थन का संकल्प व्यक्त किया। सभी दलों के राजनीतिक सर्वमान्य निर्णय के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी। जिसके जरिए सरकार द्वारा सेना को समय, दिन, स्थान और तरीका चुनकर आतंकियों को कड़ा जवाब देने के लिए अधिकृत कर दिया। भारत की तीनों सेनाओं ने आपसी समन्वय और सरकार के निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें ध्वस्त कर दिया।

इसके बाद जब पाकिस्तान की सेना ने भारत के सैनिक ठिकानों, एयरवेस, धर्मस्थलों तथा आबादी के इलाकों को अपना निशाना बनाया तो भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान की सेना के 11 एयरबेस तबाह कर दिए। इस कार्रवाई से घुटनों पर आए पाकिस्तान ने अपने डीजीएमओ के जरिए भारत से सीजफायर की गुहार लगाई, तो भारत ने भी इस पर सकारात्मक रुख रखते हुए 10 मई को सीजफायर का ऐलान कर दिया। इसके बाद में भारतीय सेना और विदेश मंत्रालय के नुमाइंदों ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सेना तथा भारत सरकार द्वारा चलाए गए आपरेशन सिंदूर और सीजफायर के संबंध में उठाए गए सभी सवालों के जबाब देने साथ ऑपरेशन सिंदूर के सिर्फ स्थगित करने के बारे में जानकारी दी। लेकिन इसके उलट कांग्रेस ने अपनी पुरानी परंपरा की तरह इस बार भी केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

कांग्रेस नेताओं ने इस बार भी ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना को हुए नुकसान तथा सीज फायर की आवश्यकता और इसके समय पर सवाल उठा दिए हैं। यही नहीं भारत सरकार द्वारा विश्व बिरादरी को पाकिस्तान की करतूत तथा आतंकपरस्ती के बारे में जानकारी देने के लिए सात डेलिगेशन बनाकर उन्हें अलग-अलग देश को भेजा गया है। सरकार की इस कार्रवाई पर भी कांग्रेस डेलिगेशन में शामिल सदस्यों के नाम पर सवाल उठा रही है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया है कि पीओके को वापस लिए बिना पाकिस्तान के साथ सीजफायर पर करने का क्या औचित्य है?

उधर, इस मामले में भाजपा सहित केंद्र की सरकार में शामिल एनडीए के अन्य राजनीतिक दलों ने कांग्रेस के इस रवैये पर सवाल उठाए हैं। भाजपा सहित उसके अन्य सहयोगी दलों का कहना है कि वर्ष 1971 की जंग में जब पाकिस्तान के 93 हजार सरेंडर किए हुए सैनिक और एक बड़ा भू-भाग भारत के कब्जे में आ गया था। तब कांग्रेस की सरकार में पीओके को वापस क्यों नहीं लिया? पीओके को वापस लेने की बजाय भारत की तत्कालीन सरकार ने युद् में सरेंडर करने वाले पाकिस्तान के सभी सैनिकों और जीते गए भूभाग को वापस कर दिया। इसके साथ ही भाजपा के आरोपों के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा कश्मीर के मसले को यूएन में ले जाने को लेकर भी कांग्रेस खुद सवालों के घेरे में है।

भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि बीते सालों में कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण ही सेना ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान के विरुद्ध जीत दर्ज करते हुए जो भू-भाग जीते थे, उन्हें कांग्रेस की सरकारों ने समझौते के नाम पर पाकिस्तान को वापस दे दिया। यही नहीं, कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों द्वारा चीन को अक्साई चीन दिए जाने को लेकर भी भाजपा इन दिनों कांग्रेस पर हमलावर है, जिसके चलते कांग्रेस खुद सवालों के घेरे में आ गई है। भाजपा और कांग्रेस के बीच सवालों के सिलसिले में एक वजह ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार द्वारा लेने के चलते भी है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कथित तौर पर भ्रमित कांग्रेस सेना के विरुद्ध सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बच रही है लेकिन वह पीएम नरेंद्र मोदी तथा केंद्र की एनडीए सरकार पर हमलावर है।

इस मामले में पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों तथा राजनीतिक प्रेक्षकों का कहना है कि वर्ष 1971 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पाकिस्तान पर जीत का श्रेय दिया जा सकता है। तो फिर आतंक एवं पाकिस्तान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का जज्बा रखने और इसके लिए सेना को खुली छूट देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय दिया जाना चाहिए। फिलहाल केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय सेना ने आतंकवाद के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने वाले ऑपरेशन सिंदूर को भले ही स्थगित किया है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों का कथित राजनीतिक विलाप तथा भाजपा द्वारा सेना के पराक्रम और शौर्य के सम्मान में देशव्यापी तिरंगा यात्रा जारी है।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी।

वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व शतर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है।

जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है।

भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है।

पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे। भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा।

सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है।

दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है।

मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

राष्ट्र रक्षा सभी का धर्म बने

डा.वेदप्रकाश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर ने एक मंत्र दिया- इदं राष्ट्राय इदं न मम् अर्थात मेरा कुछ भी नहीं है, मेरा सब कुछ राष्ट्र के लिए है अथवा राष्ट्र को समर्पित है।

क्या आज जब भारत सशक्त, समृद्ध , आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है और जब पड़ोसी देशों के साथ आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर संघर्ष भी लगातार बढ़ रहा है, क्या तब यह मंत्र सभी को आत्मसात नहीं करना चाहिए? क्या यह समय जाति, संप्रदाय, भाषा अथवा क्षेत्रीयता के आधार पर आपसी वैमनस्य फैलाने का है? क्या ऐसे में देव भक्ति अपनी-अपनी और राष्ट्रभक्ति मिलकर करने की आवश्यकता नहीं है? क्या भारतवर्ष के स्वतंत्रता संग्राम में अनेक बलिदानी राष्ट्र रक्षा को ही अपना धर्म बनाकर बलिवेदी पर नहीं चढ़े?

भूमि,जन, संस्कृति, प्रकृति-पर्यावरण, आचार और व्यवहार की विविधता मिलकर राष्ट्र की संकल्पना को आकार देते हैं। जन के लिए यह आवश्यक है कि वह भूमि को माता मानकर मानवता के कल्याण की संस्कृति का पालन और निर्माण करें। प्रकृति-पर्यावरण के बिना किसी भी जीवधारी का जीवन संभव नहीं है इसलिए इनके संरक्षण-संवर्धन हेतु भी कार्य करें। साथ ही वे ऐसे आचार और व्यवहारों का अनुसरण करें जिनमें सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना निहित हो।

विश्व ज्ञान के आदि ग्रंथ ऋग्वेद में इसी जन को केंद्र में रखकर सबसे पहले उसे मनुर्भव... अर्थात मनुष्य बनने का उपदेश है। तदुपरांत उसे वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र देते हुए सर्वे भवंतु के सुख की कामना की गई है। ध्यान रहे भारतीय चिंतन में जन का आह्वान है- माताभूमिः पुत्रोअहं...अर्थात यह भूमि मेरी माता है और मैं इसका पुत्र हूं। क्या इसके मूल में मातृभूमि की रक्षा का संकल्प और संदेश निहित नहीं है? आज यह समझने की आवश्यकता है कि राष्ट्र रक्षा स्वयं के अशितत्वबोध व आत्मबोध का भी विषय है।

हमारी धार्मिक मान्यताएं, पूजा पद्धतियां और उनका पालन हम अपने राष्ट्र की सीमाओं में रहकर ही सहजता से कर पाते हैं, इसलिए यदि राष्ट्र सुरक्षित होगा तो ही हम सुरक्षित रह सकते हैं, राष्ट्र के बिना हमारा कोई अशितत्व नहीं है।

सर्वविदित है कि अतीत में भारतवर्ष ने भिन्न-भिन्न कारणों से लंबे समय तक विदेशी दासता और अत्याचार झेले हैं। इस लंबे कालखंड में विदेशी आक्रांताओं एवं शासकों से अनेक युद्ध और संघर्षों से भी गुजरना पड़ा। अनेक कष्ट सहकर और अनेकानेक बलिदानों के बाद भी राष्ट्र रक्षा के लिए यहां का जन जन सर्वस्व अर्पण करता रहा है। सैनिक सीमा पर केवल वेतन के लिए नहीं खड़ा होता अपितु वह वतन और उसकी रक्षा को धर्म मानकर लड़ता है। स्वतंत्रता के बाद औपनिवेशिक विचारों की व्यापकता, राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं एवं विभिन्न स्वार्थों के कारण कुछ कथित संगठन बनाकर और व्यक्तिगत रूप से समाज और राष्ट्र को कमजोर करने हेतु प्रयास करते रहे हैं। जन भागीदारी का संबल पाकर यह राष्ट्र विकसित भारत का संकल्प लेकर जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे कथित बुद्धिजीवी भारत विरोध हेतु एकजुट होकर इकोसिस्टम में काम करने लगते हैं। ऐसे लोग कभी जाति,संप्रदाय अथवा भाषा के विवाद खड़े करते हैं तो कभी सोशल मीडिया में सेना, सरकार और सकारात्मकता के विरुद्ध झूठा प्रोपेगेंडा चलते हैं।

ये कभी प्रधानमंत्री को तानाशाह बताते हैं तो कभी आरएसएस पर इस देश और शिक्षण संस्थानों के भगवाकरण का दोष लगाते हैं। ये कभी अल्पसंख्यकों को दमित बताते हैं तो कभी किसानों को। नए कृषि कानून, तीन तलाक कानून, कश्मीर से धारा 370 हटाने का कानून और हाल ही में वक्फ संशोधन कानून आदि ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कानूनों के विरोध में कथितों का यह इकोसिस्टम लगातार सक्रिय रहा है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कारवाई हुई। सीमा पर लंबे समय तक तनाव बना रहा। कई सैनिकों और नागरिकों का बलिदान हुआ।

सारा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा रहा लेकिन कुछ कथित वामपंथी- दामपंथी और भारत विरोधी तरह-तरह के झूठे प्रोपेगेंडा बनाकर सेना और सरकार का मनोबल गिराते रहे। व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विरोध में लिखते रहे। ये गिरगिट हैं, रंग बदलते रहते हैं। कभी ये युद्ध करने के लिए आदेशात्मक प्रचार चलते हैं तो कभी शांति दूत बन जाते हैं। कभी ये फिलिश्तीन की तरफदारी करते हैं तो कभी पाकिश्तान और चीन का गुणगान करते हैं, क्या ऐसे लोग सामाजिक समरसता और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं?

ऐसे लोग सोशल मीडिया के जरिए एक ऐसे उन्मादी वर्ग को तैयार कर रहे हैं जो राष्ट्र भाव के विरुद्ध काम करता है। भारत में धरने-प्रदर्शन और रैलियों में पाकिश्तान और फिलिश्तीन का झंडा लहराने वाले और उनके समर्थन में नारे लगाने वाले ये उन्मादी राजनीतिक संरक्षण और विदेशी चंदे से पल रहे हैं। हाल ही में बंगाल,बिहार और राजस्थान आदि कई प्रदेशों से देश और सेना के विरोध में काम करने वाले व सोशल मीडिया पर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनका काम केवल दुष्प्रचार और वैमनस्य का प्रचार करना है।

राजनीति में विपक्ष की भूमिका सरकार पर जन कल्याणकारी कार्यों के लिए दबाव बनाने और सकारात्मक वातावरण बनाने की होती है लेकिन भारत में यह उल्टा है। विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं और संसद में बने संविधान सम्मत कानूनों को विपक्ष झूठ और भ्रम के सहारे गलत ठहराने का प्रयास करता है। विपक्ष के छोटे बड़े अनेक दल एयर स्ट्राइक और सैन्य अभियानों के प्रमाण मांगते हैं।

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिश्तान के खिलाफ कार्रवाई रोके जाने पर अलग-अलग तरह के सवाल उठाए हैं। कभी वे संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग करते हैं तो कभी सरकार से स्पष्टीकरण मांगते हैं, क्या यह जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है? ध्यान रहे एकजुट होकर राष्ट्र रक्षा के संकल्प से ही सीमा सुरक्षित रह सकती हैं। पड़ोसी देशों के साथ किसी भी प्रकार के संघर्ष अथवा युद्ध जैसी स्थिति में जहां सैनिक सीमा पर रहकर अपने राष्ट्र रक्षा धर्म का पालन करते हैं वहीं यह आवश्यक है कि एक नागरिक के नाते समाज में रहते हुए हम सभी राष्ट्र की रक्षा हेतु एकजुट रहें। झूठे प्रोपेगेंडा चलाकर भ्रम और भय न फैलाएं।

संविधान की उद्देशिका में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सभी को दृढ़ संकल्पित होने की बात है तो संविधान के मूल कर्तव्य (51ए) सभी को संविधान का पालन करने, स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखने, भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा और उसे अक्षुण्ण रखने व देश की रक्षा करने और आवाह्न किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करने हेतु उल्लेख करता है।

क्या देश के विरुद्ध झूठा प्रचार करने और देश की सुरक्षा से संबंधित गोपनीय जानकारियां साझा करके कुछ लोग संविधान के विपरीत काम नहीं कर रहे हैं? ध्यान रहे यदि हम अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहते हैं तो हमें राष्ट्रहित में संविधान सम्मत कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। धर्म पूछकर निर्दोष लोगों की हत्या धर्म नहीं हो सकता बल्कि राष्ट्र रक्षा और मानवता के कल्याण हेतु तत्पर रहना सभी का धर्म बनना चाहिए।

प्राकृतिक-अप्राकृतिक उथल-पुथल से डगमग दुनिया

विकेश कुमार बडोला

भारत और पाकिश्तान के मध्य सैन्य संघर्ष, देश व दुनिया में राजनीतिक-सामरिक उथल-पुथल, देश के अंदर उपस्थित विरोधी शक्तियों की भारतविरोधी गतिविधियां, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में पहली बार छत्तीस से भी अधिक घंटों तक हुई तेज मूसलाधार वर्षा, वर्षा के कारण अश्त-व्यश्त व पराश्त प्रांत, इस कारण 8-9 लोगों की मृत्यु, राजधानी दिल्ली सहित पूर्वोत्तर दक्षिण-पश्चिम व मध्य भारत में वातावरण का अकल्पनीय परिवर्तन, सिंगापुर व हांगकांग में कोरोना के रोगियों में वृद्धि, दुनियाभर में एक बार पुनः कोरोना के परिवर्तित विषाणु के संक्रमण की आशंकाएं, मौसम का अति अप्रत्याशित असंतुलन, तेज हवाएं, आंधी-तूफान, धूल से भरा हुआ वायुमंडल, धुंध से लिपटा हुआ नभ व क्षितिज, कहीं अत्यधिक घुटनभरा पर्यावरण तो कहीं सहन करने की सीमा से अधिक गर्मी, कहीं किसी भूभाग या पर्वतीय क्षेत्र में शीताधिकता, ये सभी घटनाक्रम प्रतिदिन ही जीवन को प्राकृतिक विप्लव से अस्थिर कर रहे हैं।

मानवीय जीवन के पूर्ण विनाश का पूर्वाभ्यास निरंतर इसी प्रकार हो रहा है। ऐसे में बार-बार याद आता है कि कभी किसी स्थिर समयकाल में ऋतुओं की छह श्रेणियां होती थीं। प्रत्येक श्रेणी अपनी संपूर्ण अवधि की जलवायु को अपनी प्राकृतिक विशिष्टता के साथ अनुरक्षित रखा करती थी। तब प्राकृतिक असंतुलन की चिंता दैनिक चिंता नहीं होती थी।

कितना जीवनोचित कालखंड रहा होगा वह! उस समयावधि में जिन्होंने जीवन व्यतीत किया होगा, वे वाश्तव में प्राकृतिक रूप में भाग्यशाली रहे होंगे। किंतु अब ऐसा जीवन नहीं है। अब मनुष्य का ऐसा भाग्य नहीं। प्राकृतिक उथल-पुथल की अधिकता के बाद भी अधिसंख्य मनुष्यों के मन-मशितष्क भावी जीवन-परिस्थितियों के लिए विशेष रूप में जागरूक नहीं हैं। उनकी निरंतर बढ़ती भौतिक इच्छाएं-अभिलाषाएं उन्हें ये तक सोचने-विचारने का अवसर नहीं दे रहीं कि एक दिन उनका जीवन जलवायु विकृतियों के भयंकर दुष्चक्र में बंधकर उन्हें निरुपाय पीड़ित छोड़ देगा।

जीवन की प्रमुख आवश्यकताओं खाद्यान्न और जल के स्त्रोतों, संसाधनों और प्रचक्र पर पंचतत्त्वों की अस्थिरता एवं विकृतता का सर्वाधिक दुष्प्रभाव हुआ है। परिणामस्वरूप न तो सहज श्वासें लेने योग्य वायुमंडल उपस्थित है और न ही पौष्टिक खाद्यान्न व जल उपलब्ध है।

ऐसे में मानव का तन और मन दोनों ही असाध्य रोगों से घिर रहे हैं। जो मर-खप रहा है वह भूला-बिसरा हो जा रहा है और जो जी रहे हैं वे अपने अनुसार, अपनी मशती में बस जैसे-तैसे जी ही रहे हैं। मानवीय जीवन की यह कैसी दुर्गति है! निरंतर निकृष्ट होता मौसम हतप्रभ करता है।

इस वर्ष मई माह भी विचित्र ढंग से परिवर्तित होता रहा। बैसाख और ज्येष्ठ के संगम की यह माहावधि भी अप्रतिम रूप लिए रही। इस अवधि में प्रत्यक्ष रूप में तो ग्रीष्म ताप में कमी हुई। यदा-कदा शीतल वायु प्रवाह होता रहा। घन विस्फोटों के उपरांत किसी एक पर्वतीय अथवा समतल नगरीय स्थान पर तीव्र धाराओं के साथ वर्षण हुआ। आंधी-तूफान आया। प्रातःकाल-संध्याकाल की जलवायु वातानुकूलित प्रतीत हुई।

साथ ही दोपहर व अपराह्न काल के ग्रीष्म ताप में अत्यधिक वृद्धि भी हुई। राजधानी दिल्ली सहित पूर्व, पश्चिमोत्तर और दक्षिण व मध्य भारत में अंधड़-तूफान आए। तेज हवाएं चलीं। तीव्र वर्षण हुआ। घन विस्फोट के कारण एक ही स्थान पर अत्यधिक तीव्र वर्षा हुई।

जलवायु की ऐसी दशा केवल भारतवर्ष में ही नहीं थी। विश्व शतर पर हर दृष्टि में अग्रणी देश अमरीका के अनेक भूभागों पर स्थित नगरों-महानगरों पर भी ऐसी ही पारिस्थितिकीय अस्थिरता परिव्याप्त रही। इस देश में 15 से 17 मई के मध्य और विशेषकर 16 मई को आए तूफान और बवंडर के कारण 27 लोगों की मृत्यु हो गई। ध्वश्त क्षेत्रों में धरातल पर कार्यरत राहत बल के कर्मियों ने आशंका व्यक्त की है कि मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। वहां दक्षिण-पूर्वी केंटुकी, लारेल काउंटी, मिसौरी, विस्कान्सिन, ग्रेट लेक्स, टेक्सास, सेंट लुई क्षेत्रों में अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन के कारण आधुनिकता की व्यवस्थाएं पूर्ण रूप में ध्वश्त हो गईं। विशाल वृक्ष जड़ से उखड़ गए। आवासीय भवन ध्वश्त हो गए। विनाशकारी मौसम में नगर के नगर उजड़ गए, अश्त-व्यश्त हो गए। इस परिस्थिति में जीवित बचे और टूटे-फूटे घरों, भवनों व भग्नावशेषों में फंसे हुए लोगों की हरसंभव माध्यम से खोज की गई। इस प्राकृतिक उथल-पुथल में वहां विद्युतापूर्ति बाधित हो गई। जलापूर्ति रुक गई।

सामान्य जनजीवन अकस्मात ही कठिन हो गया। प्रतिकूल मौसम के संबंध में अमरीका का उल्लेख करना इसलिए आवश्यक होता है क्योंकि विगत सौ-डेढ़ सौ वर्षों में इसी देश ने विश्व के सभी देशों को वैज्ञानिक आविष्कारों, औद्योगिक उत्पादन और विज्ञान के अभिशापित पथ पर चलने के लिए सर्वाधिक दुष्प्रेरित किया है।

ऐसी ही पारिस्थितिकीय परिस्थितियां भारत की राजधानी दिल्ली, आस्ट्रेलिया के कुछ क्षेत्रों तथा बेंगलुरू में भी थीं। वैसे तो माह के आरंभ में ही मौसम के लक्षण असामान्य होने आरंभ हो गए थे। असामान्य जलवायु का यह प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में विश्व के सभी महाद्वीपों पर हुआ। एशिया द्वीप के भूभागों में से एक महत्त्वपूर्ण भारतीय-भूभाग की ऋतुविकृतियों के प्रत्यक्ष साक्षी तो राजधानी दिल्ली सहित, पूर्वोत्तर, पश्चिम एवं दक्षिण-मध्य भारत के जन-जन हैं ही, किंतु विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर भी जीवनघाती जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव भयंकर रूप में हो रहा है, इसके साक्ष्य भी प्रामाणिक दृश्य-श्रव्य व मुद्रित समाचारों के माध्यम से प्राप्त हो ही रहे हैं।

बेंगलुरू में तो जनजीवन अप्रत्याशित, अत्यधिक व दीर्घवाधि के मूसलाधार वर्षण द्वारा सहसा भयाक्रांत होकर असुरक्षित हो गया है। हर स्थान पर प्रकृति का कोप हो रहा है। संसार का कोई भी भूभाग प्राकृतिक रूप में सुरक्षित नहीं है। व्योम, पृथ्वी, समुद्र, अंतरिक्ष सभी के सभी विनाशक होने की सीमा तक अव्यवस्थित हो चुके हैं।

ऐसी अवस्था में भी भारत तथा दुनिया के जीवित लोगों के लिए प्राकृतिक झंझावात तब तक ही आश्चर्य व भय का विषय होता है, जब तक यह उपस्थित होता है। अनेक लोगों के प्राण लेने वाला और किसी एक क्षेत्र की पूरी जीवन-व्यवस्था को उजाडऩे वाला तूफान जीवित लोगों के लिए विशेष विचारणीय विषय नहीं होता है।

यह जीवित लोगों का प्रकृतिशक्ति के प्रति दुस्साहस नहीं तो फिर क्या है! वर्ष-प्रतिवर्ष मानवीय जीवन के सम्मुख प्राकृतिक, पर्यावरणीय तथा जलवायु संबंधी नए-नए असंतुलन उत्पन्न हो रहे हैं।

पांचतात्त्विक पारिस्थितिकी परिवर्तन के ऐसे मूल कारणों पर ध्यान लगाने के बदले देश-दुनिया के कर्ताधर्ताओं का ध्यान अनियंत्रित तथा असंतुलित आधुनिक प्रगति पर ही लगा हुआ है।

ऐसी प्रगति के भावी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जो-जो अप्राकृतिक उत्पादन, खनन-उत्खनन व साधन-संसाधन प्रतिदिन ही बढ़ रहे हैं, क्या उस कारण मानवाशितत्व के सम्मुख उठ खड़े हुए जलवायु परिवर्तन कारकों के निवारण की दिशा में कुछ क्रांतिकारी कर्मकत्र्तव्य निर्धारित होंगे अथवा प्रगति की आत्मघाती, जीवघाती एवं जीवनघाती यात्रा ऐसी ही चलती रहेगी?

याद रखें कि प्रकृति तथा प्राकृतिक तत्त्वों को वर्तमान मानवीय जीवन के अनुकूल नहीं किया जा सकता है, बल्कि हमें ही अपने जीवन व जीवन-संबंधी गतिविधियों को प्राकृतिक व्यवस्था के अनुसार निर्धारित करना होगा।

(स्वतंत्र लेखक)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को झटका, जून में 4.27 फीसदी बढ़कर आएगा बिल; उपभोक्ता परिषद ने किया विरोध

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में ईंधन अधिभार शुल्क निर्धारित करने के लिए जारी की गई नई नीति का असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। विद्युत निगमों पर उपभोक्ताओं का 33122 करोड़ रुपया बकाया होने के बाद भी जून माह में ईंधन अधिकार शुल्क 4.27 फीसदी अधिक लिया जाएगा। यानी बिजली दरें 4.27 फीसदी महंगी रहेंगी। जबकि अप्रैल माह में 1.24 फीसदी बढ़ीं थीं और मई माह में दो फीसदी घटी थी। प्रदेश में करीब 3.45 करोड़ विद्युत उपभोक्ता हैं। निगमों को ईंधन अधिभार शुल्क के रूप में 390 करोड़ रुपया वसूलना है। ऐसे में बिजली बिलों में 4.27 प्रतिशत ईंधन अधिभार शुल्क लगेगा। यह मार्च 2025 का है, जिसकी वसूली जून माह के बिल में की जाएगी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन के तहत संशोधित एआरआर के माध्यम से 30 फीसदी बिजली दरों में बढ़ोतरी प्रस्तावित किया गया है। यह स्थिति तब है, जब विद्युत उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर लगभग 33122 करोड़ बकाया (सरप्लस) निकल रहा है। ऐसे में बढ़ोतरी का आदेश गैर कानूनी है। उपभोक्ता परिषद जल्द ही नियामक आयोग के सामने यह भी मुद्दा उठाएगा। उपभोक्ताओं के बकाये को ईंधन अधिभार शुल्क की वसूली के जरिए अदायगी किया जा सकता है। जब भी ईंधन अधिभार शुल्क अधिक हो तो उपभोक्ताओं के बिल में पहले से बकाया चल रहे रुपये में से कटौती की जानी चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग में ई रिक्शा और पिकअप से स्कूल जाते हैं डॉक्टर

रायबरेली , एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत अनुबंधित 54 लग्जरी वाहनों में घालमेल की आशंका है। आईजीआरएस पर हुई शिकायत पर अधिकारियों के जवाब ने सभी को चौंका दिया है। विभाग ने ई रिक्शा व पिकअप के नंबर दे दिए हैं। इन्हीं वाहनों से डॉक्टरों की टीम स्कूलों में पहुंचकर बच्चों की सेहत जांचती है। आरबीएसके के तहत स्कूलों में बच्चों की सेहत जांच के लिए रोजाना स्वास्थ्य विभाग की टीमें पहुंचती हैं। टीमों को स्कूलों तक पहुंचाने के लिए वाहन अनुबंधित हैं। अमेठी जिले के पीपरपुर भादर निवासी उमाशंकर तिवारी ने आरबीएसके के तहत वाहनों के ठेका में मनमानी का आरोप लगाते हुए एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर शिकायत की है। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया में दिए गए नंबरों के वाहन अस्पतालों में नहीं लगाए गए हैं। अस्पतालों में लगाए गए वाहनों के कागजात भी अधूरे होने के आरोप हैं। व्यावसायिक पंजीयन के वाहन लगाने के आदेश हैं, लेकिन प्राइवेट वाहन लगाए गए हैं। आरोप लगाया कि सेटिंग होने के कारण अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। मामले की जांच अपर निदेशक कर रहे हैं। उमाशंकर तिवारी की शिकायत पर अधिकारियों ने आईजीआरएस संख्या 40015825010905 में खीरों सीएचसी में दो वाहनों के आरबीएसके में काम करने की जानकारी दी, जिसमें यूपी 33 बीटी 8698 परिवहन विभाग में ई-रिक्शा दर्ज है। इसी तरह दीनशाह गौरा में आईजीआरएस संख्या 40015825012268 में दिए गए वाहनों में यूपी 33 बीटी 0012 परिवहन विभाग में पिकअप के रूप में पंजीकृत है। ऑनलाइन अपलोड शिकायत को सच माना जाए तो इन वाहनों को डॉक्टरों की टीम स्कूलों में पहुंचकर बच्चों की सेहत जांच रही है।

शटरिंग ठेकेदार का बंबा में मिला शव, बहनोई पर हत्या का आरोप

इंदरगढ़ (कन्नौज) , एजेंसी। थाना क्षेत्र के कछपुरा गांव से दो किलोमीटर दूर बंबा में शटरिंग ठेकेदार का शव पड़ा मिला। पैरों पर चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए बहनोई पर आरोप लगाया है। बहन का पिछले तीन साल से पति से विवाद चल रहा है और वह मायके में रह रही है। मुकदमे के बाद बहनोई ने हत्या की धमकी दी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के ग्राम कछपुरा निवासी मोहित शाक्य (24) शटरिंग लगाने का काम करता है। सोमवार दोपहर दो बजे वह पास के ही गांव में शटरिंग खोलने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह लौटकर नहीं आया तो परिजनों को चिंता हुई। खोजबीन करने पर देर रात 10-30 बजे के करीब मोहित का शव गांव से दो किलोमीटर दूर कटैया गांव के पास बंबा में पड़ा मिला। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मोहित की बहन निशा ने बताया कि तीन साल पहले उसकी शादी जनपद औरैया के बेला थाना क्षेत्र के सरियावां गांव निवासी रविकांत पुत्र भूप सिंह के साथ हुई थी। शादी के बाद पति ने मारपीट कर घर से निकाल दिया, तब से वह मायके में रह रही है। एक साल पहले भाई मोहित ने रविकांत के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करा दी, तब पति ने भाई को फोन कर हत्या की धमकी दी थी। निशा ने आरोप लगाया कि रविकांत ने ही उसके भाई की हत्या की है। घटना की जानकारी पाकर थानाध्यक्ष पारुल चौधरी मौके पर पहुंचीं और परिजनों से पूछताछ की। मोहित की शादी पिछले साल ही हुई थी और आठ दिन पहले वह एक बेटी का पिता बना। पति का शव देख पत्नी नेहा बेसुध हो गई। थानाध्यक्ष पारुल चौधरी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण का पता चल सकेगा।

डॉ. अनुष्का ने माना- किया था इंजीनियरों को हेयर ट्रांसप्लांट, सामान्य महिला बंदी गृह में गुजारी रात

कानपुर, एजेंसी। मैं एक निजी कॉलेज से डिप्लोमा करने के बाद वर्ष 2019 से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही हूं। पनकी पॉवर प्लांट में तैनात सहायक अभियंता विनीत दुबे और इंजीनियर मयंक कटियार का मैंने ही केशवपुरम स्थित इंपायर क्लीनिक में हेयर ट्रांसप्लांट किया था। यह क्लीनिक यहां तीन माह पहले ही शिफ्ट किया गया है। इससे पहले कल्याणपुर के आवास विकास में क्लीनिक था, जहां हेयर ट्रांसप्लांट किया जाता था। एफआईआर दर्ज होने के बाद से परिवार के साथ फरार हो गई थी। यह बातें डॉ. अनुष्का ने मंगलवार को जेल में दर्ज कराए गए बयान में कहीं। हेयर ट्रांसप्लांट के बाद दो इंजीनियरों की मौत के मामले में जेल में बंद डॉ. अनुष्का के बयान दर्ज करने के लिए मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के बाद विवेचक जेल पहुंचे और अनुष्का के बयान दर्ज किए।

कई और अहम सवालों से उठेगा पर्दा ब्र पुलिस उसके बयानों को विवेचना में शामिल करेगी। डीसीपी (पश्चिम) दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अनुष्का ने इस बात को स्वीकार किया है कि वह वर्ष 2019 से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही है। डॉक्टर ने हेयर ट्रांसप्लांट का डिप्लोमा होने की बात भी बताई है। हालांकि यह डिप्लोमा कहां से लिया गया है, इसके बारे में वह नहीं बता सकी। डीसीपी के मुताबिक इसी आधार पर बुधवार को डॉ. अनुष्का का पुलिस कस्टडी रिमांड कोर्ट से मांगा जाएगा। रिमांड के बाद कई और अहम सवालों से पर्दा उठेगा।

सरेंडर से पहले अनुष्का बोली थी, नहीं किया ट्रांसप्लांट : अनुष्का अभी तक हेयर ट्रांसप्लांट न करने की बात कहती आई है। पुलिस को भेजे गए जवाब और अग्रिम जमानत अर्जी दोनों में अनुष्का ने दावा किया था कि विनीत दुबे उनकी क्लीनिक में दांत का इलाज करने आए थे। उन्होंने बालों के संबंध में सलाह ली थी। इसके बाद विनीत दुबे ने हेयर ट्रांसप्लांट डॉ. सिंह व सर्जन मनीष कुमार से बर्रा स्थित एक चैरिटेबल अस्पताल में कराया था। अस्पताल में लापरवाही हुई होगी। उन्हें फंसाया जा रहा है। ऐसे में डॉ. अनुष्का ने कोर्ट को भी गुमराह करने का काम किया है।

हेयर ट्रांसप्लांट मामले कमेटी ने रिपोर्ट सौंपी, अभी है अधूरी : हेयर ट्रांसप्लांट की जांच के लिए बनी स्वास्थ्य कमेटी ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी। फिलहाल रिपोर्ट सिर्फ निजी अस्पताल की ओर से भेजे गए दस्तावेजों के आधार बनाई गई है। इसमें विनीत की मौत दवाओं, केमिकल रिएक्शन (एनाफिलैक्टिक शॉक), प्रोसीजर के दौरान ओटी में संक्रमण होने पर सेप्टिक शॉक से होने की आशंका की पुष्टि की गई है।

मल्टीऑर्गन फेल्योर होने की भी संभावना : इसी से मल्टीऑर्गन फेल्योर होने की भी संभावना दर्शाई है। हालांकि इसे स्वास्थ्य विभाग और खुद कमेटी भी अभी मुकम्मल नहीं मान रही है। इनका मानना है कि इसमें अनुष्का का बयान, इंपायर क्लीनिक का निरीक्षण और विसरा रिपोर्ट को लगाया जाए, तभी यह रिपोर्ट पूरी मानी जाएगी। सीएमओ का कहना है कि इन चीजों का इंतजार कर रहे हैं।

प्लास्टिक सर्जन की राय शामिल की जाए सौंपी गई रिपोर्ट उस निजी अस्पताल के दस्तावेजों पर आधारित है, जहां हालत बिगड़ने पर विनीत का इलाज हुआ था। एसीएमओ डॉ. आर के गुप्ता की अध्यक्षता में बनी स्वास्थ्य कमेटी में उर्सला के फिजीशियन डॉ. शैलेंद्र तिवारी और त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. रत्नेश प्रभाकर शामिल हैं। कमेटी ने यह भी सुझाव दिया है कि किसी प्लास्टिक सर्जन की राय इसमें शामिल की जाए।

स्कूल जा रहे कर्मचारी को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत से मचा कोहराम : कन्नौज , एजेंसी। कन्नौज जिले के छिबरामऊ में स्कूल ड्यूटी करने जा रहे कर्मचारी को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया वहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्राम हाथिन निवासी शमसुद्दीन (50) पुत्र शान अली सीसीए में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर कार्यरत हैं।

बोनी कपूर ने दाखिल किया फिल्म सिटी का लेआउट प्लान, शूटिंग के साथ होंगे बड़े फिल्म समारोह

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह साफ हो गई है। मंगलवार को निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया।

अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि विभिन्न अधिकारियों की मौजूदगी में मंगलवार को फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से पूरी परियोजना से संबंधित लेआउट प्लान को दाखिल किया है। सीईओ अरुण वीर सिंह ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा। कोई बदलाव बिना मंजूरी के स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पार्किंग, लैंडस्केपिंग और बागवानी जैसी मंजूरी के लिए अलग से एनओसी लेनी होगी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 18 प्रतिशत ग्रॉस रेवेन्यू शेयर का प्रस्ताव देकर हाईएस्ट बिडर के रूप में चयनित बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी को लेटर ऑफ अवार्ड पिछले वर्ष जारी किया जा चुका है। परियोजना के तहत फिल्म सिटी का मास्टर प्लान 30 जनवरी 2025 को अनुमोदित किया गया। परियोजना का निर्माण तीन चरणों में अगले आठ वर्षों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 230 एकड़ में निर्माण कार्य होगा, जबकि भविष्य में शेष 770 एकड़ भूमि पर फेज-2 और फेज-3 के अंतर्गत विस्तार किया जाएगा। पहले 155 एकड़ में फिल्म स्टूडियो, साउंड स्टेज, पोस्ट प्रोडक्शन यूनिट और फिल्म इंस्टीट्यूट जैसे मुख्य ढांचे तैयार होंगे।

ये कैसा पौधारोपण: नंदन वाटिका में दो साल के भीतर 15000 पौधे रोपे, कुछ ही बचे...बाकी सूखे, अब फिर तैयारी

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के असदपुर कयाम में स्थित नंदनवाटिका में पिछले दो सालों से पौध रोपण किया जा रहा है। पांच एकड़ की इस जमीन पर वर्ष 2020-21 में 8500 पौधे लगाए गए थे जबकि 2023-24 में 6500 पौधे रोपे गए। लेकिन मौजूदा समय में यहां ऐसा दिख ही नहीं रहा कि कभी कोई पौधा रोपा गया हो। हां कुछ जगह पौधे के नाम पर सूखी डंडी जरूर नजर आ रही है। यहां देखकर लगता ही नहीं कि कभी पौधों को पानी दिया गया हो। यहां अफसरों ने शीशम, अर्जुन, जामुन, सहजन, अमरूद और नीम के पौधे लगाए थे। इस साल फिर 14 जुलाई से पौधरोपण शुरू होने जा रहा है। जिले भर में 40 लाख पौधे रोपे जाएंगे। विभागों को लक्ष्य का आवंटन कर दिया गया है। जिले को हरा भरा करने के दावे किए जा रहे हैं। मगर पिछले साल हुए पौधरोपण की तस्वीर बड़ी धुंधली है। नंदनवाटिका में बड़ी धूमधाम के साथ दो साल से पौधरोपण किया जा रहा है। लेकिन यहां अधिकांश पौधे सूख चुके हैं। पांच एकड़ के इस पूरी जमीन पर एक भी पौधा हरा भरा नजर नहीं आ रहा है। इस बार वार्षिक पौधों की प्रजाति के हिसाब से भूमि का चयन किया गया है। जो पौधा जैसी भूमि पर वृद्धि करता है उसी के हिसाब से पौधरोपण किया जाएगा।

राशन घोटाला: एक आधार पर 100 लोगों को बांटा राशन, नाबालिगों के नाम पर भी लूट; जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के बहुचर्चित खाद्यान्न घोटाले की सीआईडी जांच में खुलासा हुआ है कि बरेली, आगरा और मेरठ मंडल में एक आधार कार्ड पर 90 से 100 अपात्रों को राशन बांटा जा रहा था। इस साजिश में नाबालिगों का भी इस्तेमाल किया गया। सीआईडी ने करीब 5 साल से लंबित चल रहे तीन मंडलों के 134 केस में से 110 को निस्तारित कर दिया है। साथ ही संबंधित जिलों के एडीएम और जिला पूर्ति अधिकारियों (डीएसओ) की जिम्मेदारी तय करते हुए शासन से कार्रवाई की संस्तुति की है। कुछ डीएसओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी सिफारिश की गई है।

यह घोटाला राशन विक्रेताओं (कोटेदारों) ने बीपीएल परिवारों के हिस्से का खाद्यान्न हड़प कर अंजाम दिया था। इसकी शिकायतें शासन तक पहुंची थीं। इसके बाद 2015 से 2018 तक तीनों मंडलों में मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इनकी जांच का जिम्मा आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपा गया था। जांच में प्रगति नहीं हुई तो फरवरी 2024 में सभी केस अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को ट्रांसफर कर दिए गए थे।

आधार प्रमाणीकरण का दुरुपयोग जांच में सामने आया कि घोटाले को अंजाम देने के लिए आधार प्रमाणीकरण का दुरुपयोग किया गया। खाद्य विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कोटेदारों से

मिलीभगत कर वास्तविक लाभार्थियों के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के आधार को एडिट कर अपलोड कर दिया और उसे राशन बेचने लगे। इनमें कई नाबालिग भी थे। वहीं शासन को रिपोर्ट भेजने के दौरान वास्तविक लाभार्थी के आधार का विवरण भर दिया। इससे शासन स्तर पर फर्जीवाड़े को पकड़ा नहीं जा सका और वास्तविक लाभार्थी राशन से वंचित रहे। मेरठ के तत्कालीन डीएसओ पर कार्रवाई की संस्तुति खाद्यान्न घोटाले में सीआईडी मेरठ ने एक मुकदमे की जांच के बाद तत्कालीन डीएसओ विकास गौतम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की संस्तुति की है। इस मामले में अदालत में आरोप पत्र भी दाखिल किया जा चुका है। कई जिला पूर्ति निरीक्षक, राशन डीलर, सेल्समैन, कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। लापरवाही बरतने वाले कई एडीएम और डीएसओ भी जांच के दायरे में हैं। प्रमुख सचिव खाद्य एवं खाद्य आयुक्त रणवीर प्रसाद ने बताया कि राशन की दुकानों पर कार्डधारकों का अंगूठे का निशान लेने के लिए एल-1 तकनीक लागू की जा रही है। इसमें डिवाइस पर अंगूठा लगाने पर इसे तभी स्वीकार करेगा, जब उसमें खून का प्रवाह होगा। इससे किसी के भी अंगूठे की नकल नहीं हो सकेगी।

जमानत के बाद भी अभी जेल से रिहा नहीं हो पाएगा निकांत जैन, 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में रहेगा आरोपी

लखनऊ , एजेंसी। सौर ऊर्जा के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी का संयंत्र लगाने के लिए आईएएस अधिकारी के नाम पर रिश्वत लेने के आरोपी निकांत जैन का जेल से निकलना अब मुश्किल हो गया है। निकांत के खिलाफ वजीरगंज थाने में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसे वसूली के मामले में रिमांड पर ले लिया। एसीजेएम ने आरोपी निकांत को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल में रखने का आदेश दिया है। इसके पहले निकांत और उसके साथी एमए खान के खिलाफ 25 मई को वजीरगंज थाने में वादी हसन रजा अब्बासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एफआईआर के मुताबिक दोनों ने वादी से पैसों की वसूली की है। इससे पहले भी अब्बासी ने वजीरगंज थाने में वर्ष 2019 में निकांत और उसके दो साथियों एमए खान और ध्रुव कुमार दास के खिलाफ केस दर्ज कराकर बताया था कि वादी सरोसा भरोसा की अपनी जमीन 82 लाख में बेचना

चाहता था। वर्ष 2018 में एमए खान और ध्रुव कुमार उसके घर आए और निकांत को जमीन बेचने के लिए कहा। इसपर वादी निकांत को जमीन 65 लाख में बेचने को तैयार था, लेकिन हसन को सिर्फ 15 लाख रुपये ही मिले थे।

इस मामले में मंगलवार को विवेचक ने कोर्ट में हाजिर होकर कोर्ट से निकांत को न्यायिक हिरासत में लेने की मांग की। उल्लेखनीय है कि एक करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोपों में 20 मार्च से जेल में बंद निकांत को भ्रष्टाचार निवारण के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र सिंह ने शुक्रवार को रिहा करने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद निकांत की ओर से दो-दो लाख की जमानत और दो लाख का व्यक्तिगत मुचलका दाखिल किया गया। निकांत के जमानतनामों को कोर्ट ने सत्यापन के लिए भेज दिया था। इससे पहले कि निकांत जेल से रिहा हो पाता उसके खिलाफ वजीरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज हो गई। माना जा रहा है कि पुलिस आरोपी को इस मामले में कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। विवेचना में उजागर हुई थी पुलिस की लापरवाही इस पूरे प्रकरण में पुलिस की लापरवाही देखने को मिली। विवेचक ने निर्धारित समय में निकांत को कस्टडी रिमांड पर लेने की अर्जी नहीं दी थी। इसकी वजह से कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी थी। यही नहीं, 1600 पन्ने की चार्जशीट दाखिल होने के बाद निकांत को जमानत मिली थी। फिलहाल एसआईटी मामले की विवेचना कर रही है।

शिवपाल ने ऑपरेशन सिंदूर को बताया दिखावा, बोले- जमीनी हकीकत कुछ और; सुरक्षा एजेंसियों पर उठाए सवाल

तिर्वा (कन्नौज) , एजेंसी। कस्बा के सांस्कृतिक लॉन में आयोजित समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने केंद्र सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना और सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए और कहा कि केंद्र को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर आतंकी पहलगाम में कैसे घुसे। अगर घुसे तो पकड़े क्यों नहीं गए। प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि सरकार सिर्फ दिखावे की कार्रवाई कर रही है, जबकि जमीनी सच्चाई कुछ और है।

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आज देश और प्रदेश की जनता सरकार की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। समाज का हर वर्ग किसान, मजदूर, व्यापारी और युवा इस सरकार से नाराज है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव 2027 तक पूरी ताकत से जुट जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और उस सरकार के गठन के बाद हसेरन को तहसील का दर्जा दिया जाएगा। प्रेस वार्ता के बाद शिवपाल सिंह यादव ने सपा नेता अंशुल गुप्ता के आवास पर पत्रकारों से संवाद किया, जिसमें उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर केंद्र सरकार सिर्फ

राजनीति कर रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि सरकार को जवाब देना होगा कि सुरक्षा एजेंसियों की चूक से आतंकी भारत में दाखिल कैसे हुए। कार्यकर्ता सम्मेलन के पूर्व शिवपाल यादव ने तहसील सभागार में आयोजित बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के अध्यक्ष बृजमोहन सिंह यादव सहित अन्य पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने अधिवक्ता समाज की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि वकील न्याय व्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें आम जनता को न्याय दिलाने के लिए सजग रहना होगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव, कलियान सिंह दोहरे, अंशुल गुप्ता, जिलाध्यक्ष कलीम खान, एडवोकेट राजेश श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बलिया में दो एनकाउंटर : कारोबारी सहित दो गोली कांड के बदमाश अरेस्ट, साथी भाग निकले

बलिया, एजेंसी। बलिया में पिछले दिनों दवा व्यापारी सहित दो गोली कांड मामले के आरोपियों को पुलिस ने बीती देर रात अलग-अलग जगह हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के पैर में गोली लगी है, दोनों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपाशंकर ने बताया कि बुधवार को दो बजे भोर में माल्देपुर तिराहा पर कोतवाली पुलिस चेकिंग कर रही थी, उसी दौरान एक संदिग्ध मोटर साइकिल पर बैठे व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह बिना रुके तेजी से ग्रीन फील्ड की तरफ से भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर लिया। बाइक सवार अपने को पुलिस से घिरता देख पुलिस पार्टी पर ग्रीन फील्ड के पास जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया गया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। दूसरा बदमाश रोहित वर्मा उर्फ सरल निवासी देवरिया खुर्द थाना फेफना अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पूछताछ के क्रम में घायल बदमाश ने अपना नाम मुकेश सिंह उर्फ अंशु सिंह निवासी पियरौटा थाना रेवती बताया। बताया कि 21 मई की सुबह दवा व्यापारी अरुण गुप्ता निवासी कासिम बाजार को जान से मारने की नियत से

हमलोगों ने अवैध असलहे से फायर किया था। घटना में शामिल दूसरा साथी रोहित वर्मा उर्फ सरल मौके से भाग निकला।

पुलिस ने मुकेश के पास से एक पिस्टल कारतूस व 10 हजार 500 रुपये और एक बाइक बरामद हुई। वहीं, दूसरी तरफ बुधवार को करीब एक बजे रात में जगन्नाथ तिराहा कोतवाली पुलिस चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक पर तीन व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया। बिना रुके तेजी से बाइक लेकर ददरी मेला क्षेत्र की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम पीछा किया गया। मोटर साइकिल सवार अपने को फंसता देख पुलिस टीम पर जानलेवा फायर कर दिया। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई। अंधेरा का फायदा उठाकर दो बदमाश मौके से भाग निकले। कड़ाई से पूछताछ में घायल बदमाश ने बताया कि 19 मई को शिवजी गुप्ता निवासी बेदुआ को जान से मारने की नियत से अवैध असलहे से फायर किया था। जिसमें कोतवाली में नामजद मुकदमा

रवि प्रकाश पांडे उर्फ रोहित पांडे निवासी परसिया हल्दी, हालमुकाम सतनी सराय भृगु आश्रम के नाम से दर्ज हैं, जिसे मुठभेड़ में दाहिने पैर में गोली लगी है।

जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली।

मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए: सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा: अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर: वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी

अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी सेंचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा:ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन, एजेंसी। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं। लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली।

मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे।

इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की

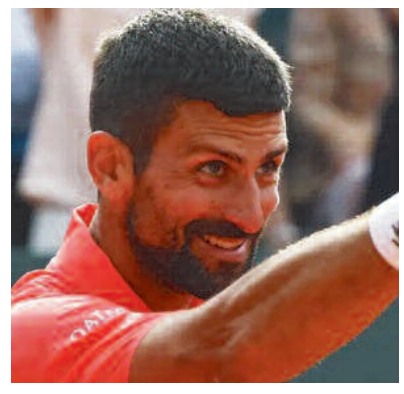

यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 6 पर काबिज जोकोविच 2024 में रौलां गैरो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, इससे पहले कि घुटने की चोट के कारण उन्हें वापस हटना पड़ा। उन्होंने उसी कोर्ट पर ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए साल के अंत में वापसी की। इस खेल में इतिहास ने मुझे मेरे जीवन में सब कुछ दिया है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं हमेशा जहां भी संभव हो इतिहास बनाने की कोशिश करता हूं... मैं जितने भी टूर्नामेंट खेलता हूं, जितने भी अभ्यास करता हूं, जितने भी मैच खेलता हूं, और खासकर दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ÷मेरे पास और अधिक इतिहास रचने का अवसर है और यह प्रतियोगिताओं के लिए मेरी सबसे बड़ी प्रेरणाओं में से एक है, ताकि मैं काम करना जारी रख सकूं और खुद को बेहतर बना सकूं। जोकोविच का सामना अब दूसरे दौर में कोरेंटिन मौटेट या क्वालीफायर क्लेमेंट टैबूर से होगा।

गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार, दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा। कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था।

रेसलिंग की जगह मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है।

जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा GOAT कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।